शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 214 | गुवाहाटी | रविवार, 3 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केंद्र ने त्रिपुरा सरकार और टिपरा मोथा के साथ किया त्रिपक्षीय समझौता पेज 2

मिजोरम में प्रविष्ट हुए 152 म्यांमार सैनिक पेज 3

कांग्रेस ने झूठ बोलकर राज किया : भजनलाल शर्मा पेज 5

वेलिंगटन टेस्ट में मजबूत स्थिति में ऑस्ट्रेलिया की टीम पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अर्थ का आधार राज्य है।

– आचार्य चाणक्य

लोस चुनाव : असम के पांच वर्तमान सांसदों का टिकट कटा

भाजपा ने 14 में से 11 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम जारी किए

अरुणाचल से रिजीजू और तापीर गाव एवं त्रिपुरा से बिप्लव कुमार देव उम्मीदवार

गुवाहाटी (हि.स.)। सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने लोकसभा चुनाव-2024 के लिए आज 195 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम की सूची जारी की है। इसमें असम की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। भाजपा ने असम के पांच वर्तमान सांसदों का टिकट काट दिया है। वहीं तीन सीट अपने सहयोगी पार्टियों, असम गण परिषद (अगप) के लिए 2 और यूपीपीएल के लिए एक सीट छोड़ दिया है। असम के लिए जारी सीटों में गुवाहाटी सीट से बिजुली कलिता मेधी, डिब्रूगढ़ से केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, शोणितपुर से रंजीत दत्ता, मंगलदै से दिलीप सैकिया, कालियाबर से कामाख्या प्रसाद तासा, नगांव से सुरेश बोरा, जोरहाट से तपन गोगोई, लखीमपुर से प्रदान बरुवा, डिफू से अमर सिंह किशो, सिलचर से परिमल शुक्लबैद्य तथा करीमगंज से कृपानाथ मल्लाह को उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा ने 2019 में जीते हुए अपने पांच सांसदों का टिकट काट दिया है। जिसमें सिलचर से राजदीप राय, गुवाहाटी से

क्वीन ओझा, तेजपुर से पल्लव लोचन दास, कार्बी आंग्लांग से हरेन सिंह बे और डिब्रूगढ़ से रामेश्वर तेली (केंद्रीय राज्य मंत्री) शामिल हैं। ज्ञात हो कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 14 सीटों में से 8 सीटों पर जीत हासिल की थी। ऐसे में भाजपा ने अपने सिर्फ तीन सांसदों को फिर से टिकट दिया है। जिसमें मंगलदै से दिलीप सैकिया, जोरहाट से तपन कुमार गोगोई और लखीमपुर से प्रदान बरुवा शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र ने 195 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 195 उम्मीदवारों की पहली सूची शनिवार को जारी की। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 34 केंद्रीय और राज्यमंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष का नाम है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने बताया कि केंद्रीय चुनाव समिति ने 16 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों की 195 लोकसभा सीटों पर उम्मदीवारों के नाम तय कर दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने की बिहू से पहले राज्य में चुनाव संपन्न करवाने की अपील

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम सरकार चुनाव आयोग से अपील करेगी कि 14 अप्रैल से पहले ही असम में लोकसभा चुनाव संपन्न कर लें, ताकि बिहू के उत्साह में कोई खलल नहीं पड़े। मुख्यमंत्री आज यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसा कि वे जानते हैं, 5 मार्च को चुनाव आयोग की टीम असम पहुंचेगी तथा 6 मार्च को राज्य के जिला उपायुक्तों के साथ चुनाव आयोग की टीम की बैठक होगी। इस दौरान उन्हें राज्य के मुख्य सचिव राज्य सरकार द्वारा इस संदर्भ में की गई तैयारी से अवगत कराने के साथ ही इस बात के लिए आग्रह करेंगे कि चाहे एक या दो जितने भी चरण में -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने दिल्ली में बदल दिए आधे से ज्यादा प्रत्याशी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों के नाम का एलान किया है। इनमें दिल्ली से पांच उम्मीदवारों के नाम का भी घोषणा की गई है। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की अधिकतर सीटों पर अपने उम्मीदवार बदल दिए हैं। भाजपा ने चांदनी चौक से मौजूद सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सिंह का टिकट काट दिया है। इसके अलावा, नई दिल्ली से मीनाक्षी लेखी, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बीएसएफ और तस्करों के बीच झड़प, एक की मौत, तीन जवान घायल

शिलांग। मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास अर्धसैनिक बल पर भीड़ ने हमला कर दिया। इस झड़प में एक तस्कर की मौत हो गई, जबकि तीन बीएसएफ कर्मियों सहित चार अन्य घायल हो गए। बता दें कि यह घटना शुक्रवार रात दलिया गांव में उस वक्त हुई जब भारत और बांग्लादेश की सीमा के दोनों तरफ सामान की तस्करी के लिए एक समूह एकत्रित -शेष पृष्ठ दो पर

इस साल लू मचाएगा कोहराम : मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को कहा कि भारत में इस वर्ष गर्मी के मौसम की शुरूआत काफी अधिक गर्म रहने की संभावना है तथा पूरे मौसम के दौरान अल-नीनो परिस्थितियों के बने रहने का अनुमान है। उसने कहा कि उत्तर-पूर्व प्रायद्वीपीय भारत--तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक तथा महाराष्ट्र एवं ओडिशा के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए को लेकर दिक्कत है तो एससी जाएं, लोगों को डिस्टर्ब न करें : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने *असमिया* की परिभाषा में बदलाव पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सीएए को लेकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी करने वालों को भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि मैं सीएए का समर्थन करता हूं। लेकिन वहीं असम में कई लोग इसका विरोध भी करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें दोनों दृष्टिकोणों को समायोजित करना होगा। हमें सीएए का समर्थन या आलोचना करने पर किसी की आलोचना नहीं करनी चाहिए। जो लोग सीएए का विरोध कर रहे हैं उन्हें असम में शांति और शांति भंग करने के बजाय सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए। सीएम शर्मा ने असमिया आबादी को आश्वस्त करने के लिए एक जन आंदोलन शुरू करने के महत्व को रेखांकित किया कि समुदाय की पहचान *गुणवत्ता* पर जोर देकर संरक्षित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में असमिया की परिभाषा में बदलाव आया है और इसमें हिंदी भाषी तथा -शेष पृष्ठ दो पर

असम में एक जनांदोलन की जरूरत : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है की असम में एक जनांदोलन की जरूरत है। ऐसा आंदोलन जो असमिया जाति को सुदृढ़ बनाए। मुख्यमंत्री आज यहां एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले हम जिस पर बरपेटा, मंगलदै, -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. हिमंत ने पूर्व अल्फा कैडरों को पुनर्वास अनुदान राशि प्रदान की

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा शनिवार सुबह गुवाहाटी के पांजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में अल्फा के पूर्व कैडरों को पुनर्वास अनुदान के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होते हुए कुछ कैडरों को अनुदान के चेक सौंपे। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्य में शांति स्थापित होने तथा असम का तेजी से विकास होने की सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अल्फा -शेष पृष्ठ दो पर

आरएनआई का नाम बदलकर पीआरजीआई किया गया

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने प्रेस एवं आवधिक पंजीकरण अधिनियम (पीआरपी अधिनियम)-2023 और इसके नियमों को अपने राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। इसके साथ ही यह अधिनियम एक मार्च से लागू हो गया है। अधिसूचना के अनुसार आरएनआई का नाम बदलकर प्रेस रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (पीआरजीआई) कर दिया गया है। अब से पत्रिकाओं का पंजीकरण प्रेस और पत्रिकाओं के पंजीकरण अधिनियम (पीआरपी अधिनियम)- 2023 और प्रेस एवं पत्रिकाओं के पंजीकरण नियमों के प्रावधानों द्वारा शासित होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की -शेष पृष्ठ दो पर

चीन से पाकिस्तान जा रही परमाणु कार्यक्रम में उपयोग होने वाली सामान से लदी जहाज को मुंबई में रोका गया

मुंबई। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने चीन से कराची जा रहे एक जहाज को इस संदेह में मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर रोक दिया कि इसमें दोहरे उपयोग वाली खेप थी जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा सकता था। शनिवार को यहां अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीमा शुल्क अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर, 23 जनवरी को कराची जा रहे माल्टा का ध्वज लगे व्यापारी जहाज *सीएमए सीजीएम अत्तिला* को बंदरगाह पर रोका और खेप का निरीक्षण किया, जिसमें एक

कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) मशीन भी शामिल थी, जो मूल रूप से एक इतालवी कंपनी की बनाई हुई थी। सीएनसी मशीनें मूल रूप से एक कंप्यूटर से चलती हैं और दक्षता, स्थिरता व सटीकता का ऐसा पैमाना तैयार करती हैं जो मैन्युअल रूप से संभव नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपकरण पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण भागों के निर्माण में इस्तेमाल किया जा सकता था। वर्ष 1996 से, सीएनसी मशीनों को *वासेनार व्यवस्था* में शामिल किया गया है। वासेनार एक अंतरराष्ट्रीय हथियार नियंत्रण व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य नागरिक व सैन्य दोनों उपयोगों वाले उपकरणों के प्रसार को -शेष पृष्ठ दो पर

स्पेन से भारत घूमने आई महिला के साथ गैंगरेप, तीन गिरफ्तार

दुमका। झारखंड के दुमका जिले में स्पेन की एक महिला से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस घटना के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। यह घटना राज्य की राजधानी रांची से करीब 300 किलोमीटर दूर हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुरुमाहाट में शुक्रवार रात तब हुई जब स्पेन का एक पर्यटक जोड़ा एक अस्थायी टेंट में रात्रि विश्राम कर रहा था। यह युगल -शेष पृष्ठ दो पर

चुनावी खर्च-फ्रीबीज पर होगी सख्ती, ईसी बोली-

गड़बड़ी होने पर सीनियर अधिकारी भी नपेंगे

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर न सिर्फ राजनीतिक पार्टियां तैयारियों में जुटी हुई हैं, बल्कि भारतीय निर्वाचन आयोग भी जोरो-शोरों पर जुटा है। चुनाव में किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ी न हो इसको लेकर विशेष दिशा निर्देश बनाए जा रहे हैं। चुनाव अधिकारियों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है और जो लापरवाही करेगा उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। इसको लेकर राज्यों का दौरा कर रहे भारतीय निर्वाचन आयोग ने प्रदेश से जिला स्तर तक के अधिकारियों को चेतावनी दी है। आयोग ने चुनावी महासमर की घोषणा के साथ आचार संहिता का 100 प्रतिशत पालन करने को कहा है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि ऐसा न होने परअधिकारियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया जाएगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश समेत -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में शांति और कानून व्यवस्था का राज-ये मोदी की गारंटी : पीएम

पटना/औरंगाबाद (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के औरंगाबाद में जनसभा को संबोधित करते हुए भोजपुरी में कहा कि रउवा सब के प्रणाम करइतही। बिहार में शांति और कानून व्यवस्था का राज-ये मोदी की गारंटी है। बिहार में बहन-बेटियों को अधिकार-ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज यहां करीब 21.5 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ है। इन परियोजनाओं में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कई परियोजनाएं हैं। इनमें रेल इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े काम भी हैं और इनमें आधुनिक बिहार की मजबूत झलक भी है। उन्होंने यही एनडीए की पहचान है। हम काम की शुरुआत भी

करते हैं, काम पूरा भी करते हैं और हम ही उसे जनता-जनार्दन को समर्पित भी करते हैं। ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार का विकास-ये मोदी की गारंटी है। तीसरे टर्म में हमारी सरकार इन्हीं गारंटियों को पूरा करने और विकसित बिहार बनाने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि एक वो दौर था, जब बिहार के ही लोग अपने ही घरों से निकलने में डरते थे। एक ये दौर है, जब बिहार में पर्यटन की संभावनाएं विकसित हो रही हैं। बिहार को वंदे भारत और अमृत भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें मिलीं, अमृत स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए की शक्ति बढ़ने के बाद बिहार में परिवारवादी राजनीति हाशिए पर जाने लगी है। परिवारवादी राजनीति की एक और विडंबना है। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की धरती पर आना कई मायने में मेरे लिए खास है। जननायक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

केंद्र ने त्रिपुरा सरकार और टिपरा मोथा के साथ किया त्रिपक्षीय समझौता

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार, त्रिपुरा सरकार और त्रिपुरा की टिपरा मोथा पार्टी ने राज्य के मूल लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए शनिवार को एक त्रिपक्षीय समझौता किया। गृहमंत्री अमित शाह ने इसे त्रिपुरा के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। राष्ट्रीय राजधानी में गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इंडिजिनस प्रोग्रेसिव रीजनल एलायंस (टिपरा मोथा) की ओर से टिपरा मोथा के संस्थापक अध्यक्ष प्रद्योत देब बर्मन ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर के दौरान गृह मंत्रालय में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, केंद्रीय मंत्री विप्लव देव और गृह मंत्रालय और त्रिपुरा सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह ने समझौते के महत्व पर प्रकाश डाला। पिछली गलतियों को स्वीकार करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए रास्ता खोलने में इसकी भूमिका पर भी जोर दिया। इसे त्रिपुरा के लिए ऐतिहासिक दिन बताते हुए अमित शाह ने कहा कि इस

समझौते से हमने इतिहास का सम्मान किया है, गलतियों को सुधारा है और वर्तमान वास्तविकता को स्वीकार करके भविष्य के लिए एक कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि कोई भी इतिहास को बदल नहीं सकता लेकिन उसमें जो गलतियां हुईं उनसे सीखकर आगे बढ़ सकते हैं। शाह ने शांति निर्माण के प्रयास में टिपरा मोथा, आदिवासी दलों और संगठनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि टिपरा मोथा और सभी आदिवासी दलों ने इस दिशा में रचनात्मक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में भाजपा सरकार ने भी इस समझौते के प्रति ईमानदारी से काम किया है। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने सीमाओं, पहचान, भाषा और संस्कृति से संबंधित 11 विभिन्न समझौतों के माध्यम से लोगों से बातचीत करके उनके संघर्ष को समाप्त करने का काम किया है। आज के समझौते से त्रिपुरा विवाद मुक्त त्रिपुरा बनने की ओर आगे बढ़ गया है। समझौते के तहत त्रिपुरा के मूल निवासियों के इतिहास, भूमि और राजनीतिक अधिकारों, आर्थिक विकास, पहचान, संस्कृति और भाषा से संबंधित सभी मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने पर सहमति व्यक्त की गई। इसके साथ ही, उपरोक्त सभी मुद्दों पर समयबद्ध तरीके से पारयूएसपरिक रूप से सहमत बिंदुओं पर काम करने और उन्हें लागू करने के लिए एक सम्मानजनक समाधान सुनिश्चित करने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह व समिति का गठन करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। समझौते के कार्यान्वयन के लिए अनुकूल माहौल बनाए रखने के लिए सभी हितधारकों को समझौते पर हस्ताक्षर करने के दिन से किसी भी प्रकार के विरोध व आंदोलन का सहारा लेने से बचना होगा।

मां, माटी, मानुष का अपमान कर रही तृणमूल कांग्रेस : पीएम

कोलकाता (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे दिन शनिवार को नदिया जिले के कृष्णानगर में रोड शो और जनसभा की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। मोदी ने कहा कि तृणमूल ने मां माटी और मानुष का नारा लगाकर इसका अपमान किया। संदेशखाली की बहनें इंसाफ की गुहार लगाती रहीं लेकिन तृणमूल सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। बंगाल में पुलिस नहीं बल्कि अपराधी तय करते हैं कि उन्हें कब गिरफ्तार होना है और कब सरेंडर करना है। बंगाल की नारी शक्ति जब दुर्गा का रूप लेकर खड़ी हो गई तब सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल को बंगाल की जनता ने बार-बार जनादेश दिया गया लेकिन वो अत्याचार का पर्याय बन गई है। वो विकास को नहीं परिवारवाद और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। तृणमूल बंगाल के लोगों को गरीब बनाए रखना चाहती है ताकि उनकी राजनीति और खेल चलता रहे। मोदी ने पश्चिम बंगाल को पहला एम्स देने की गारंटी दी थी और मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी की भी गारंटी। नादिया जिले में कुछ दिनों पहले ही एम्स का लोकार्पण किया है। पश्चिम बंगाल सरकार को एम्स बनने से परेशानी है। तृणमूल सरकार तो केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं होने देती है। बंगाल में सुधार के लिए केंद्र सरकार निरंतर काम कर रही है। मुख्यमंत्री बनर्जी पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल ने बंगाल को इस तरह से बदनाम किया है कि वो हर स्कीम को स्कैम में बदल देती है। केंद्रीय योजनाओं का नाम बदलकर बंगाल में चलाने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग केंद्र सरकार की योजनाओं पर अपना स्टीकर लगाते हैं। ये लोग गरीबों की योजनाओं को भी नहीं छोड़ते। पश्चिम बंगाल में बदलाव की शुरुआत आप लोगों को इसी लोकसभा चुनाव से करनी होगी।

पुलिस इंस्पेक्टर ने की खुदकुशी, एक महिला घायल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिला के लाहोवाल रंगपुरिया में आज तड़के नामरूप पुलिस थाने के ओसी इंस्पेक्टर अनुपम ग्वाला ने अपनी सर्विस पिस्तौल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार आज तड़के 2 बजे के आसपास पुलिस इंस्पेक्टर अनुपम ग्वाला ने गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना में बिष्णुप्रिया लाहोन गोगोई नामक एक महिला भी गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को गंभीर हालत में असम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना बिपुल गोगोई के घर पर हुई।

भारत में अत्यधिक गरीबी हुई दूर : आंकड़े

नई दिल्ली। भारत ने अत्यधिक गरीबी को खत्म कर दिया है। आधिकारिक डेटा इस बात की पुष्टि करता है। हेडकाउंट पोवर्टी रेशियो यानी एचएसआर के मुताबिक 2011-12 में 12.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 2 प्रतिशत हो गया है। इसे वैश्विक गरीबी जनसंख्या दर पर एक सकारात्मक विकास की तरह देखा जा रहा है। इसका मतलब यह भी है कि अब समय आ गया है कि भारत भी अन्य देशों की तरह गरीबी रेखा के उपर पहुंच जाए। उच्च गरीबी रेखा में मौजूदा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को फिर से परिभाषित करने का मौका देता है। आपको बताते चलें कि केंद्र सरकार ने हाल फिलहाल में ही भारत में खाने, कपड़े, नशे और अन्य चीजों पर कौन कितना खर्च करता है, इसको लेकर हाउसहोल्ड कंजंप्शन एक्सपेंडिचर सर्वे यानी एचसीईएस जारी किया था। यह सर्वे अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के बीच में किया गया था। पिछला ऐसा सर्वे 11 साल पहले 2011-12 में किया गया था। सर्वे की रिपोर्ट में एक ट्रेंड सामने आया था कि लोग अब सब्जियों से ज्यादा अंडे-मछली खाने के लिए खर्च कर रहे हैं।गांव में गरीब की जिंदगी 45 रुपए रोज के खर्च पर कट जाती है, जबकि शहर में रहने वाला सबसे गरीब आदमी एक दिन में महज 67 रुपए ही खर्च कर पाता है। 2011-12 से रियल पर कैपिटा इनकम हर साल 2.9 फीसदी की दर से बढ़ी है।

यूएस में भारतीय डांसर की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। भारत सरकार ने प्रसिद्ध शास्त्रीय नर्तक अमरनाथ घोष की हत्या के मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी। सरकार ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी कानून प्रवर्तन के समक्ष दृढ़ता से इस ममले को उठाया है। बता दें कि मंगलवार को मिसौरी में उस समय अमरनाथ घोष की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जब वह टहलने निकले थे। घोष की दोस्त और लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मदद मांगने के बाद इस हत्या को प्रकाश में लाया। जिसके बाद अब भारत सरकार ने

एक्स पर एक पोस्ट में, शिकागो में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने *निंदनीय बंदूक हमले* की निंदा करते हुए कहा कि वे अमरनाथ घोष के परिवार के सदस्यों को हर संभव सहायता दे रहे हैं। भारतीय मिशन ने कहा कि प्रभावी जांच के लिए मामले को सेंट लुइस पुलिस और विश्वविद्यालय के समक्ष दृढ़ता से उठाया गया है। उन्होंने लिखा कि वाणिज्य दूतावास मृतक अमरनाथ घोष के रिश्तेदारों को हर संभव मदद दे रहे है। निंदनीय बंदूक हमले की जांच के लिए सेंट लुइस पुलिस और विश्वविद्यालय के साथ मामले को दृढ़ता से उठाया। उन्होंने लिखा कि सेंट लुइस, मिसौरी में मृतक अमरनाथ घोष के परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना। हम फोरेंसिक, पुलिस के साथ जांच और सहायता प्रदान कर रहे हैं कि वाणिज्य दूतावास ने लिखा।

पृष्ठ एक का शेष

भाजपा ने 14...

जनता पार्टी ने देश के कुल 195 सीटों के लिए उम्मीदवारों की आज घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहले उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है, वो वाराणसी से चुनाव लड़ेंगे। पहली सूची में असम की 11 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है। दिल्ली मुख्यालय में भाजपा के संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। वहीं दूसरी ओर अरुणाचल प्रदेश में एक बार फिर से किरण रिजीजू को अरुणाचल पश्चिम से तथा तापीर गाव को अरुणाचल पूर्व से उम्मीदवार बनाया गया है। जबकि, दो सदस्यीय त्रिपुरा पश्चिम सीट से पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देव को उम्मीदवार बनाया गया है।

केंद्र ने 195 ...

बार भी वाराणसी से चुनाव लड़ेंगे। पहली सूची में समाज के सभी वर्गों और जातियों को शामिल किया गया है। इसमें 34 केंद्रीय मंत्री और राज्यमंत्री के साथ दो पूर्व मुख्यमंत्री, 28 महिलाएं, 50 से कम से उम्र के 47 उम्मीदवार, 18 अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार, पिछड़ा वर्ग से 57 उम्मीदवारों को शामिल किया गया है। तावड़े ने बताया कि पहली सूची में उत्तर प्रदेश से 51, पश्चिम बंगाल से 20, मध्यप्रदेश से 24, गुजरात-15, राजस्थान-15, केरल -12, तेलंगाना -09, असम-11, झारखंड-11, छत्तीसगढ-11, दिल्ली-5, जम्मू-2, उत्तराखंड-3, अरुणाचल प्रदेश -2, गोवा-01, त्रिपुरा-01, अंडमान एंड निकोबार -01 सीट पर उम्मीदवार घोषित किए गए। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों में से पांच पर उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है। इसमें प्रवीण खंडेलवाल को चांदनी चौक, उत्तर-पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत और दक्षिण दिल्ली से रामबीर सिंह बिधूड़ी को उम्मीदवार बनाया गया है।

सीएम ने की ...

हो, लेकिन चुनाव 14 अप्रैल से पहले असम में संपन्न करा लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहाग बिहू के मौके पर सभी असमिया होकर रहना चाहते हैं, न कि कांग्रेस, भाजपा तथा अन्य दलगत परिधियों में बंधकर। उन्होंने कहा कि पार्टी के उम्मीदवारों की सूची तैयार हो चुकी है। जिन प्रत्याशियों को पार्टी की टिकट नहीं दी गई है, उन्हें पार्टी अध्यक्ष द्वारा फोन करके बता दिया गया है। साथ ही जिन उम्मीदवारों को चुनाव में टिकट दी जाएगी, उन्हें भी इशारे में कह दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दिया जा चुका है। किसी भी समय दिल्ली से इसकी घोषणा हो सकती है।

भाजपा ने दिल्ली...

पश्चिमी दिल्ली से प्रवेश सिंह वर्मा की जगह कमलजीत सहरावत को टिकट दिया है। दक्षिणी दिल्ली से रमेश बिधुड़ी की जगह रामवीर सिंह बिधुड़ी को टिकट दिया है। दो उम्मीदवारों के नाम का एलान अभी बाकी है। उत्तर पश्चिमी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली पर भाजपा ने अभी उम्मीदवारों के नाम का एलान नहीं किया है। पूर्वी दिल्ली से सांसद गौतम गंभीर चुनाव लड़ने से इनकार कर चुके हैं। वहीं उत्तर पश्चिम से सांसद हंसराज हंस के भी टिकट कटने की संभावना है।

सीएए को लेकर ...

चाय बागान से संबंधी जनजाति जैसे सदियों से असम में रहने वाले लोगों को शामिल किया जाना चाहिए। शर्मा आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों को अल्फा शांति समझौते के तहत पुनर्वास अनुदान वितरित करने से संबंधित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि असम के हालात, केंद्र सरकार की किसी नीति के कारण नहीं, बल्कि बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण ऐसे हैं क्योंकि इसने राज्य की जनसांख्यिकी को बदल दिया है। जब जनगणना रिपोर्ट आएगी, तो असमिया लोग आबादी का लगभग 40 प्रतिशत ही होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में असमिया की परिभाषा में बदलाव आया है और इसमें चाय बागान से जुड़ी जनजाति तथा हिंदी भाषी जैसे समुदाय शामिल होने चाहिए जो एक सदी से अधिक समय से यहां रह रहे हैं। शर्मा ने कहा कि भले ही असमिया लोगों की संख्या कम हो रही हो, लेकिन वे अपनी पहचान संरक्षित करने के लिए एक साथ आ सकते हैं। मालूम हो कि नागरिकता संशोधन विधेयक 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। एक दिन बाद ही इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी। सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों के अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता पाने में आसानी होगी। बशर्ते ऐसे अल्पसंख्यक 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हों। इससे पहले भारतीय नागरिकता हासिल करने के लिए किसी भी व्यक्ति का कम से कम 11 साल तक भारत में रहना जरूरी था। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के तहत इस नियम को आसान बनाया गया है। नागरिकता हासिल करने की अवधि को 1 से 6 साल किया गया है। सीएए किसी व्यक्ति को खुद नागरिकता नहीं देता है। इसके जरिए पात्र व्यक्ति आवेदन करने के योग्य बनता है। यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे। इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं। वे लोग उन भाषाओं को बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं। उन्हें नागरिक कानून 1955 की तीसरी सूची की अनिवार्यताओं को भी पूरा करना होगा। इसके बाद ही प्रवासी आवेदन के पात्र होंगे। यह कानून अभी तक इसलिए लागू नहीं हो सका, क्योंकि सीएए के तहत नियम बनाए जाने बाकी हैं। राज्यसभा और लोकसभा में अधीनस्थ विधान पर संसदीय समितियों ने क्रमश: 31 दिसंबर, 2022 और 9 जनवरी, 2023 तक केंद्रीय गृह मंत्रालय को विस्तार दिया था। इसके बाद दोबारा से संसदीय समितियों ने विस्तार को मंजूरी दी थी। सीएए को लेकर देश में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। कई राजनीतिक दलों ने इसका विरोध किया था। उस वक्त केंद्र सरकार इसे लागू करने का मन बना चुकी थी, लेकिन कोरोना के चलते सीएए अधर में लटक गया। इस मामले में शीर्ष अदालत में 200 से अधिक जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं। इन सबके बीच केंद्रीय गृह मंत्री शाह यह कहते रहे कि सीएए हर सूरत में लागू किया जाएगा। कोरोना महामारी के कारण इस अधिनियम को लागू करने में देरी हुई।

असम में एक ...

धुबड़ी, बंगाईगांव आदि के लिए हथियार उठा रहे थे, आंदोलन कर रहे थे आज वह स्थितियां नहीं हैं। आज असम एक अलग स्थान पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि बीते 25 वर्षों में असम का जिस तेजी से विकास हुआ है वह अपने आप में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमें असमिया कौन का निर्धारण करने में भी अलग नजरिया रखना होगा। उन्होंने कहा कि यदि वर्षों से असम में रहने वाले हिंदी भाषियों, चाय बागान के लोगों या राज्य के जनजातीय लोगों को असमिया नहीं माना जाए तो यह संख्या 28 से 30 फीसदी तक ही रह जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज असम बदल गया है। इसे यहां तक पहुंचाने में सभी का योगदान है। उन्होंने कहा कि जिस असम की कल्पना को लेकर हथियार उठा लिया गया था, आज वह असम नहीं है। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब इसके समाधान का कोई रास्ता नहीं देखा था, लेकिन बीते दो-तीन वर्षों में जिस प्रकार से राज्य में शांति स्थापित हुई है, इस शांति के कारण आज असम की तस्वीर ही बदल गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हथियार से किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता है। समस्या का समाधान भावना और विवेक के जरिए ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व में जो ऊंचा स्थान प्राप्त किया है, वह आंदोलन और हथियार के जरिए नहीं हुआ है, बल्कि इसके लोग सभी क्षेत्र में बेहतरीन काम किए हैं। ज्ञान, बुद्धि, कला, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान आदि हर क्षेत्र में अपने आप को लोगों ने आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने पहली बार असम विधानसभा में यह घोषणा की है कि असम की 105 विधानसभा सीटें असमिया लोगों को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि निश्चित ही उन्होंने बराक घाटी के लोगों को भी असमिया के रूप में संबोधित किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी मुख्यमंत्री ने इसकी चिंता नहीं की। हर बार असमिया लोगों के हाथों से चार-पांच विधानसभा क्षेत्र निकल जाया करते थे। उन्होंने विज्ञान सम्मत तरीके से इसका चिंतन किया और इसके पुनर्निर्धारण का काम संपन्न किया। उन्होंने कहा कि सीमाओं का पुनर्निर्धारण असम के इतिहास में नया अध्याय जोड़ेगा। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि अल्फा के साथ किया गया शांति समझौता इसे स्थायित्व प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार किसी सरकार ने श्रीमंत शंकरदेव के जन्म स्थान बटद्रवा थान की चिंता की। यदि पहले से ही इस दिशा में पहल किया गया होता तो स्थितियां यहां तक नहीं पहुंचती। उन्होंने कहा कि सभी पहलुओं का विज्ञान सम्मत तरीके से विश्लेषण करते हुए समाधान का रास्ता निकाला गया है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि आज असमिया की लड़ाई हथियारों से नहीं बल्कि आत्मनिर्भर असम के लिए होनी चाहिए।

डॉ. हिमंत ने ...

ने 29 दिसंबर, 2023 को भारत सरकार और असम सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद, संगठन ने स्वयं को भंग कर दिया और अपने निर्दिष्ट शिविर खाली कर दिए। वित्तीय अनुदान वितरण के आज के समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने 4 लाख रुपए के सावधि जमा प्रमाण पत्र वितरित किए। सरकार की आत्मसमर्पण सह पुनर्वास योजना के तहत 852 पूर्व अल्फा कैडरों में से प्रत्येक को भारत सरकार की योजना के तहत 4 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। वहीं असम सरकार के विशेष पैकेज के रूप में 3 लाख रुपए कुल 45 प्रभावितों को दिए गए जो अभियान के दौरान घायल हुए थे। 31 लापता अल्फा कैडरों के परिजनों को 10 लाख रुपए के चेक प्रदान किए गए। कुल 936 कैडर एवं परिवार के सदस्यों को पुनर्वास हेतु पुनर्वास अनुदान प्रदान किया गया। पिछले दो वर्षों के दौरान भारत सरकार और असम सरकार की योजना के तहत विभिन्न उग्रवादियों के कुल 9 हजार 583 कैडरों का पुनर्वास किया गया है। इनमें से एनडीएफबी के 4203 कैडर (27 जनवरी, 2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था), कार्बी समूह के 1926 (04 सितंबर, 2021 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था), आदिवासी संगठन के 1182 कैडर (15 सितंबर, 2020 को समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर हुआ था), डीएनएलए के 181, (27 अप्रैल, 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ था), अल्फा के 936 कैडर (29 दिसंबर 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ था) और अन्य समूहों के 1155 कैडर (जिसमें यूजीपीओ, टीएलए, यूपीआरएफ, केएलएफ, माओवादी, एनएलएफबी आदि संगठन) शामिल हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन सरकार के गृह विभाग एवं असम पुलिस की विशेष शाखा द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत अतिरिक्त मुख्य सचिव अविनाश पी जोशी के स्वागत भाषण से हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मंत्री जोगेन मोहन और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आरएनआई का नाम...

शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार नये अधिनियम के तहत देश में समाचार पत्रों और अन्य पत्रिकाओं के पंजीकरण की सुविधा के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली प्रदान करता है। इससे पहले सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने नए अधिनियम के अनुसार विभिन्न आवेदन प्राप्त करने के लिए प्रेस रजिस्ट्रार जनरल का ऑनलाइन पोर्टल, प्रेस सेवा पोर्टल (presssewa.prgi.gov.in) लॉन्च किया था। इस पोर्टल के जरिए पत्रिका के मुद्रक द्वारा दी गई सूचना सहित सभी आवेदन, किसी विदेशी पत्रिका के प्रतिकृति संस्करण के पंजीकरण के लिए आवेदन, किसी पत्रिका के पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए प्रकाशक द्वारा आवेदन, पंजीकरण के प्रमाण पत्र में संशोधन के लिए आवेदन, स्थानांतरण के लिए आवेदन पत्रिकाओं का स्वामित्व, पत्रिका के प्रकाशक द्वारा वार्षिक विवरण प्रस्तुत करना और पत्रिका के प्रसार के सत्यापन के लिए डेस्क ऑडिट की प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से होगी।

चीन से पाकिस्तान जा...

रोकना है। भारत उन 42 सदस्य देशों में से एक है जो पारंपरिक हथियारों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं व प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करता है। सीएनसी मशीन का उपयोग उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम में किया था। बंदरगाह के अधिकारियों ने गुप्त सूचना देकर भारतीय रक्षा अधिकारियों को सतर्क किया जिन्होंने खेप का निरीक्षण किया और अपने संदेह की सूचना दी। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद खेप जब्त कर ली गई। अधिकारियों ने बताया कि बिल और अन्य विवरण जैसे दस्तावेजों के अनुसार *शंघाई जेएक्सई ग्लोबल लॉजिस्टिक्स कंपनी लिमिटेड* ने सियालकोट की *पाकिस्तान विंग्स प्राइवेट लिमिटेड* को यह खेप भेजी थी। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों की गहन जांच में पता चला है कि 22,180 किलोग्राम वजन की यह खेप ताइयुआन माइनिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड ने पाकिस्तान में कॉसमॉस इंजीनियरिंग के लिए भेजी गई थी। पाकिस्तानी रक्षा आपूर्तिकर्ता कॉसमॉस इंजीनियरिंग 12 मार्च, 2022 से निगरानी सूची में है, जब भारतीय अधिकारियों ने न्हावा शेवा बंदरगाह पर इटली में निर्मित थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों की एक खेप को रोक दिया था।

स्पेन से भारत ...

दुपहिया वाहन से बांग्लादेश से दुमका पहुंचा और वह बिहार से होते हुए नेपाल जाना चाहता था। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार खुद गत रात घटनास्थल पर गए और वहां डेरा डाले हुए हैं। जांच की जा रही है और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया है। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा। सभी आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि पीड़िता को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उपमहानिरीक्षक, संथाल परगना, संजीव कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक घटना की जांच कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि मैंने पुलिस अधीक्षक से इस संबंध में मीडिया को बयान देने को कहा है। इस बीच, एक अन्य अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि इस घटना में सात से आठ स्थानीय युवक शामिल थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया गया है। यह कथित अपराध उस दिन हुआ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने झारखंड दौरे के दौरान राज्य में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और जबरन वसूली को लेकर गंभीर चिंता जताई थी।

गड़बड़ी होने पर...

डेढ़ दर्जन से ज्यादा राज्यों का दौरा कर चुके आयोग ने अधिकारियों को हेट स्पीच,फ्रीबीज और चुनावी खर्च को लेकर सख्ती बरतने की हिदायत दी है। सबसे ज्यादा लोकसभा सीटों वाले राज्य यूपी का दौरा कर चुके मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने आग्रह किया कि कोई भी गड़बड़ी होने पर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक या पुलिस अधीक्षक जिम्मेदार होंगे। इससे पहले भी आयोग ने जिन राज्यों का दौरा किया था, वहां प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में कहा था कि आचार संहिता के अनुपालन के प्रति गंभीर रवैया अख्तियार करें। यही नहीं, पिछले लोकसभा चुनाव में हुए उल्लंघन के रिकॉर्ड के आधार पर जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने को भी कहा गया है। आयोग ने विभिन्न राज्यों के उन जिलों को चिन्हित किया है, जहां लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान अधिकारियों की लापरवाही के चलते आचार संहिता का खुला उल्लंघन हुआ था। लेकिन कदम तब उठाए गए थे जब बात आयोग तक पहुंच गई। इसलिए आयोग ने अधिकारियों से बैठक के दौरान ही साफ कर दिया है कि लापरवाह और गैर-जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने में एक मिनट की देरी भी नहीं की जाएगी। हालांकि बड़े मामलों में आयोग को पहले सूचित किया जाएगा और उसके बाद ही कदम उठाया जाएगा ताकि अधिकारियों पर कोई दबाव नहीं बना सके। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक राज्यों के चुनाव आयुक्तों को चुनाव के घोषणा के दिन से परिणाम आने तक रोजाना रिपोर्ट आयोग को भेजनीहोगी। इसमें आचार संहिता के उल्लंघन, हेट स्पीच, फ्रीबीज, चुनावी खर्च और नशीले पदार्थ समेत अन्य के बारे में जिले स्तर की रिपोर्ट आयोग के सामने पेश करनी होगी। माना जा रहा है कि आयोग आगामी 10 मार्च से 15 मार्च के बीच चुनावी महासमर की घोषणा कर देगा। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव की तर्ज पर सात चरणों में अप्रैल मध्य से मई के तीसरे सप्ताह तक चुनाव कराया जा सकता है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से आयोग को जम्मू-कश्मीर में इस साल के सितंबर माह तक विधानसभा चुनाव कराने को कहा गया है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि आयोग लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव कराने के लिए जल्द ही घाटी का दौरा भी कर सकता है। हालांकि इस बारे में आयोग ने अभी तक कोई भी जवाब नहीं दिया है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने फ्रीबीज पर सख्ती बरतने का कदम बीते कुछ विधानसभा चुनावों में उठाया था। हालांकि, फ्रीबीज का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और इसकी कोई परिभाषा तय नहीं है। ऐसे में आयोग द्वारा निर्धारित बिंदुओं के आधार पर लोकसभा चुनावों में अधिकारियों द्वारा फ्रीबीज के खिलाफ सख्ती बरतीजाएगी।

बिहार में शांति और ...

कर्पूरी ठाकुर को मैंने भारत रत्न दिया, जिसकी खुशी हर जगह है। हम काम की शुरुआत और उसे पूरा भी करते हैं। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिलना पूरे बिहार का सम्मान है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा भी हुई है। अयोध्या में रामलला विराजमान हुए हैं, तो स्वाभाविक है, सबसे ज्यादा खुशी माता सीता की धरती पर ही मनाई जाएगी। ज्ञान की धरती बिहार आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। औरंगाबाद में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहा हूं। पीएम नरेंद्र मोदी करीब 20 महीने बाद बिहार दौरे पर आए हैं। गया एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने उनकी अगुवानी की। इसके बाद पीएम मोदी और सीएम नीतीश एक ही हेलिकॉप्टर से औरंगाबाद के लिए रवाना हो गए। इससे पहले सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आज वापस से आप (पीएम मोदी) यहां आए हैं तो काफी खुशी की बात है। आप पहले आए थे तो इधर हम गायब हो गए थे, तो फिर हम आपके साथ हैं। हम आपको आश्वस्त करते हैं, हम आपके साथ जीवनभर रहेंगे, अब इधर-उधर होने वाले नहीं हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि 400 सीट आप जीतिएगा यह हमको पूरा भरोसा है। विकास होगा तो इसका श्रेय हम आपको देते रहेंगे। आपको इसका क्रेडिट मिलेगा। आपस में कोई विवाद नहीं करना चाहिए, मिलजुलकर काम करना चाहिए।

बीएसएफ और तस्करों ...

हुआ। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि तस्करों ने बीएसएफ पर पत्थरों, धारदार हथियारों और डंडों से हमला कर दिया। जिसके बाद जवानों ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस झड़प में बीएसएफ के तीन जवान और एक बांग्लादेशी तस्कर घायल हो गए। बीएसएफ ने कहा कि मेघालय से बांग्लादेश तक मवेशी, चीनी, प्याज, शराब और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी की जाती है।

इस साल लू मचाएगा ...

दिनों तक लू चलने का पूर्वानुमान है। विभाग ने कहा कि देश में मार्च में सामान्य से अधिक वर्षा (दीर्घकालिक औसत 29.9 मिलीमीटर के 117 प्रतिशत से अधिक) हो सकती है। विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने संवाददाता सम्मेलन ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भारत के ज्यादातर हिस्सों में मार्च और मई के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि मार्च में उतर और मध्य भारत में लू चलने की संभावना नहीं है। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में होने की संभावना है। महापात्रा ने कहा कि अलनीनो (मध्य प्रशांत महासागर में समुद्री जल के नियमित अंतराल पर गर्म होने की स्थिति) गर्मी के पूरे मौसम में बना रहेगा तथा उसके बाद तटयूएसथ स्थिति बन सकती है। ला-नीना परिस्थिति मानसून के उत्तरार्ध में बनने की संभावना है। यह आमतौर पर भारत में अच्छी मानसूनी वर्षा से संबंधित है।

भाजपा अनुसूचित मोर्चा का अधिवेशन सात मार्च को, बनी रणनीति

गोरखपुर (हिंस)। भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय (रानीडीहा) पर आगामी 07 मार्च को आयोजित होने वाले अनुसूचित मोर्चा रासी्रीय महाअधिवेशन की तैयारी को लेकर बैठक हुई। यह बैठक मीना बाजार कोठी आगरा में प्रस्तावित है। क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने अधिवेशन को सफल बनाने के हर कोशिश करने की अपील की। अध्यक्षता कर रहे अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष चंदू सरोज ने सभी जिलाध्यक्षों से अपने क्षेत्र में संपर्क एवं संवाद सुनिश्चित कर कार्यकताओं व पदाधिकारियों को आगरा जाने हेतु आमंत्रित करने संबंधी दिशानिर्देश दिए। प्रदेश उपाध्यक्ष बेचन राम एवं अनुराग मझवार ने सभी का मार्गदर्शन किया। संचालन क्षेत्रीय महामंत्री इंद्रदेव प्रसाद ने किया। बैठक में गोरखपुर क्षेत्र के सभी क्षेत्रीय पदाधिकारी तथा गोरखपुर क्षेत्र से आने वाले सभी जिलाध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहे। गोरखपुर क्षेत्र की क्षेत्रीय टीम तथा गोरखपुर क्षेत्र के सभी जिला अध्यक्ष व महामंत्रियों को कार्यक्रम की सफलता के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित कर भवन का किया लोकार्पण

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज राजधानी के गणेशगुड़ी में लगभग 112 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित कर भवन का उद्घाटन किया। नवनिर्मित भवन बेहतर कर प्रबंधन, पांच सौ से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए काम करने की सुविधाओं, राज्य की अर्थव्यवस्था के विकास और एक सुचारू कर संग्रह प्रक्रिया बनाने में एक गतिशील भूमिका निभाने में सक्षम होगा। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन बिल्डिंग के निर्माण पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी इमारत का निर्माण करते समय लोक निर्माण विभाग को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि बिजली की खपत कैसे कम की जाए। उसे भवन निर्माण करते समय सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए उचित उपाय भी करने चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया है कि अगले तीन साल में केंद्र सरकार का हर दफ्तर सौर ऊर्जा पर निर्भर होगा और पर्यावरण को बनाए रखने की दिशा में यह एक सफल कदम होगा। उन्होंने कहा कि बिजली ऑडिट फर्मों की स्थापना करके आपातकालीन सेवा कार्यालयों को छोड़कर अन्य कार्यालयों में स्वचालित बिजली कनेक्शन प्रणाली स्थापित की जाएगी, उन्होंने कहा कि राज्य में 232 कार्यालयों में ऐसी व्यवस्था इसी बीच की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग से आह्वान किया कि वे प्रदेश के हर कार्यालय के निर्माण पर ध्यान दें ताकि दफ्तरों में सौर ऊर्जा और जीवाश्म ईंधन के माध्यम से बिजली का उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि असम को आगे ले जाने के लिए छोटे-छोटे मुद्दों को भी महत्व दिया जाना चाहिए, असम को आगे ले जाने के लिए इसे न केवल भावनात्मक रूप से बल्कि दिल से प्यार करना होगा। अकेले एक व्यक्ति का सपना एक राज्य को नहीं बदल सकता है। यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी आने के बाद करों में वृद्धि हुई है, अगर व्यापारियों को अनुकूल कारोबारी माहौल मिले और अधिकारी एवं कर्मचारी दक्षता दिखा सकें तो टैक्स बढ़ता है। यह देखना होगा कि कर और जीडीपी दर को कहां तक आगे ले जाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने युवा पीढ़ी के अधिकारियों से कहा कि वे पंजाब, झारखंड आदि राज्यों में जाकर अनुभव हासिल कर जानें कि देश के कुछ अन्य राज्यों ने कर संग्रह में कैसे वृद्धि की है। आज असम में विकास ने तेजी से आकार लिया है। अतीत में, इस तरह की वृद्धि की गति नहीं थी। असम के लोगों में आंतरिक शक्ति है। लेकिन, हमारी यह ऊर्जा अनावश्यक काम पर खर्च हो रही है। सब कुछ संभव हो जाता है जब ऊर्जा सकारात्मक कार्य करने के लिए लगाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी के अधिकारियों को इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए सकारात्मक मानकों को आगे बढ़ाना होगा। इस अवसर पर वित्त मंत्री अजंता नेओग, विधायक अतुल बोरा, विशेष मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, आयुक्त सचिव, वित्त जयंत नार्लीकर, कर आयुक्त पल्लव गोपाल झा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) असम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया है। प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने एक बयान में शनिवार को बताया कि एसटीएफ को खुफिया जानकारी मिली थी कि दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिला के मानकाचर स्थित दो ड्रग्स तस्कर मानकाचर से गुवाहाटी के लालमाटी और शिलांग तक नशीले पदार्थ ले जा रहे हैं। पलासबाड़ी इलाके में तस्करों को पकड़ने की एसटीएफ ने कोशिश की। हालांकि, पुलिस की उपस्थिति की भनक लगने पर, तस्कर गुवाहाटी की ओर भाग गए। इस बीच एसटीएफ की एक टीम ने आज सुबह गुवाहाटी के बेहारबारी स्थित शिवम सर्विस स्टेशन से दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। तस्करों के पास 20 साबुनदानी में छिपाकर लाये गये 280 ग्राम वजन की हेरोइन बरामद की। दोनों तस्करों की पहचान मानकाचर थानांतर्गत बकुरचर निवासी मोहम्मद जियाउल हसन और काकरीपारा निवासी मोहम्मद अरशद अली के रूप में की गयी है।

राणा गोस्वामी को प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने दो दिन पूर्व भाजपा में शामिल होने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राणा गोस्वामी को पार्टी का प्रदेश उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। ज्ञात हो कि पूर्व विधायक गोस्वामी दो दिन पूर्व ही प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पद एवं पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल हुए थे। उपरी असम के जोरहाट विधानसभा क्षेत्र के कद्दावर नेता गोस्वामी को पार्टी में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी के कई तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। राणा गोस्वामी के भाजपा में शामिल होने के बाद जोरहाट विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक हितेंद्र नाथ गोस्वामी के लिए चुनौती खड़ी हो गयी है। देखना होगा कि भाजपा राणा गोस्वामी और हितेंद्र नाथ गोस्वामी के बीच किस तरह का सामंजस्य बैठाती है।

श्री श्याम सत्संग मंडल की सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के सबसे पुरानी धार्मिक संस्थाओं में से एक श्री श्याम सत्संग मंडल की सभा आयोजित की गई, जिसमें मंडल के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस सभा में खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु के आगामी फाल्गुन उत्सव को लेकर विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। पूर्वात्तर के सर्वाधिक लोकप्रिय श्री श्याम सत्संग मण्डल (रजि.), गुवाहटी का दो दिवसीय 55वां श्री श्याम जयंती महोत्सव उतरोत्तर अभिवृद्धिपूर्वक रूप में हर्षोल्लस पूर्वक होना सुनिश्चित हुआ है। इस दौरान उपस्थित सभी ने श्री श्याम जयंती महोत्सव का गौरवशाली 55वां वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से विराट रूप से मनाने का निर्णय लिया। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित साधना मंदिर प्रांगण में दो दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ आगामी 20 मार्च से किया जाएगा, जिसका समापन 21 मार्च को विराट शोभायात्रा के साथ होगा। आयोजकों ने बताया कि श्री श्याम सत्संग मंडल का इस वर्ष गौरवशाली 55वां वर्ष है। श्री श्याम जयंती महोत्सव के पहले दिन पूजा-अर्चना, अखंड ज्योत प्रज्वलित कर महाआरती की जाएगी। तत्पश्चात दिन के 11 बजे से 24 घंटा व्यापी श्री श्याम संकीर्तन का शुभारंभ किया जाएगा। वहीं शाम 7 बजे से देश के जाने माने आमंत्रित गायक कलाकार विनोद सिंह, सुश्री सोनी अरोड़ा, आकाश पोद्दार अपने-अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। विशेष आकर्षण के रूप में कोलकाता से मंदिरा एंड ग्रुप द्वारा जीवंत झांकियो के माध्यम से नृत्य नाटिका की मनभावन प्रस्तुति दी जाएगी। इधर महोत्सव के दूसरे दिन 21 मार्च को हवन, पूर्णाहुति के पश्चात बाबा

को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा एवं श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई है। वहीं शाम को 5 बजे से विराट शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो महानगर के विभिन्न स्थानों से होते हुए आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। मंडल की ओर से सभी भक्तों से दो दिवसीय श्री श्याम महोत्सव में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया गया है। आयोजन को सफल बनाने में मंडल के सभी सदस्य जुटे हुए हैं।

विकसित और आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़कर ग्रामीण उद्योग को सशक्त बनाने का है लक्ष्य : केवीआईसी अध्यक्ष

गुवाहाटी। असम में ग्रामीण उद्योगों को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आज यहां ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत कारीगरों को आवश्यक उपकरण और टूल-किट वितरित किए। गुवाहटी के रूपनगर में श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय कैंपस में आयोजित वितरण समारोह में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *विकसित और आत्मनिर्भर भारत* के दूसीकोण के अनुरूप ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए केवीआईसी की प्रतिबद्धता और उद्देश्यों को दर्शाया गया। वितरण समारोह में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मनोज कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले 9 सालों में खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सेक्टर में महत्वपूर्ण उन्नति देखी गई है। खादी का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपए हो गया है और इससे 9.50 लाख से ज्यादा नई नौकरियाँ पैदा हुई है। ये आंकडें खादी कारीगरों के बेहतरी के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आगे उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस सफलता का श्रेय *मोदी की गारंटी* को दिया जा सकता है, जो कारीगरों की भलाई के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने आगे कहा कि केवीआई सेक्टर का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक उद्योगों को बचाना और जनजातियों, पहाड़ी क्षेत्रों, एससी/एसटी और महिलाओं सहित गरीब कारीगरों की आजीविका में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि ये कारीगर अब एक उल्लेखनीय बदलाव का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि *विकसित और आत्मनिर्भर भारत अभियान* के साथ जुड़कर जनता को सशक्त बनाने के लिए खादी कारीगरों की भलाई के लिए सरकार के मजबूत समर्पण के साथ आजीविका और रोजगार में वृद्धि हुई है। भारतीय अर्थव्यवस्था में

केवीआईसी के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए श्री मनोज कुमार जी ने आगे कहा कि खादी *आत्मनिर्भर भारत* का प्रतीक बन गई है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी केवीआईसी के विकास को आगे बढ़ाने के काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवीआईसी असम के दूरदराज के इलाकों में भी स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री मोदी के दूसीकोण पर लगातार काम कर रहा है। असम में स्थानीय रोजगार पैदा करने में केवीआईसीमहत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साल 2022-23 में असम में खादी संस्थानों ने 10,010 कारीगरों को रोजगार देकर 15.36 करोड़ रुपए के उत्पादन और 20.17 करोड़ रुपए रुपए की बिक्री के साथ उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की। उन्होंने बताया कि तहत 2001 लाभार्थियों को 53.15 करोड़ रुपए की मार्जिन मनी वितरण ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक असम में 16,008 रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केवीआईसी आत्मनिर्भर रोजगार के अवसर प्रदान करके भारतीय अर्थव्यवस्था में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। अपने समापन भाषण में अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि खादी के लिए प्रधानमंत्री का दूसीकोण कपड़े से कहीं ज्यादा आगे तक फैला हुआ है। खादी स्थानीय कारीगरों और एंट्रेप्रेन्योर्स के लिए आत्मनिर्भरता का भविष्य बन गया है। वर्क-शेड आदि जैसी पहलों के माध्यम से खादी न केवल फल-फूल रही है, बल्कि पर्याप्त रोजगार पैदा हो रहा है और लोग आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रहे है। उन्होंने कहा कि खादी को वैश्विक बनाने की केवीआईसी की प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि रासी्रीय गौरव का यह प्रतीक आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्जवल भविष्य का प्रतीक बने।

रंगिया : श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन 7 को

रंगिया (विभास)। विगत वर्षों की तरह इसबार भी श्री श्याम परिवार, रंगिया द्वारा श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया गया है। महोत्सव के तृतीय वार्षिक आयोजन को लेकर श्याम भक्तों में काफी उत्साह का माहौल है। आगामी 7 मार्च को एक दिवसीय कार्यक्रमों के साथ इसका आयोजन स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में किया जाएगा, जिसके अंतर्गत दोपहर 3.01 बजे बाबा श्याम की पालकी एवं भव्य निशान यात्रा जोकि श्री हनुमान मन्दिर, मिल रोड से प्रारम्भ होकर श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर तक पहुंचेगी, शाम 4.30 बजे श्याम भक्तों के लिए अल्पाहार, शाम 6.31 बजे बाबा श्याम की आराधना एवं पूजा प्रारंभ, शाम 7.01 बजे बाबा श्याम की दिव्य ज्योत प्रज्वलन एवं छप्पन भोग, शाम 7.15 बजे से प्रभु इच्छा तक आमंत्रित गायक कलाकार आदर्श दाधीच (कटिहार) और राजू प्रभात शर्माएंड टीम (गुवाहाटी) द्वारा बाबा श्याम का गुणगान, रात 8.01 बजे बाबा श्री श्याम का अमृत भंडारा आदि कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। श्री श्याम परिवार रंगिया की ओर से जानकारी दी गयी है कि इस कार्यक्रम में श्री श्याम परिवार गुवाहाटी के सदस्यों की उपस्थिति रहेगी। समर्पण की थीम के साथ आयोजित होने वाले इस महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में श्री श्याम परिवार, रंगिया द्वारा सभी भक्तों के उपस्थिति की कामना की गई है।

रंगिया में 22 से लोक कृष्टी कला केंद्र का बिहू कार्यशाला का आयोजन

रंगिया (विभास)। पिछले दस वर्षों की तरह इसबार भी रंगिया का अग्रणी सांस्कृतिक संस्थान *लोक कृष्टी कला केंद्र* द्वारा दस दिवसीय कार्यक्रमों के साथ बिहू कार्यशाला का आयोजन किया गया है। यह कार्यशाला आगामी 22 से 31 मार्च तक रंगिया के वार्ड नंबर-4 स्थित संगम संघ प्रांगण में आयोजित की जाएगी। इसका संचालन बहुत से अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा किया जाएगा जिनमें मुख्य प्रशिक्षक के रूप में देवजीत राजबंशी, रूपम डेका, जयंती काठार डेका, डिंपी संदीके, मिंटू हालोई, ऑर्किड कलिता, अमूल्य कलिता, धीमान डेका और रूपज्योति डेका सहित आमंत्रित प्रशिक्षक सन 2004 लताशिल बिहू साम्राज्ञी गायत्री कोंवर उपस्थित रहेंगी। बताया गया है कि संस्थान द्वारा कार्यशाला का आयोजन हरवर्ष बड़े ही ही सुचारू रूप से आयोजित कीया जाता आ रहा है जिसमें लोक कृष्टी कला केंद्र के अध्यक्ष पुलकेश डेका, रंगिया के प्रमुख साहित्यिक और रंगिया के सांस्कृतिक कार्यकर्ता तथा संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष जयंतजीत कलिता, सचिव बरबिहुआ रूपम डेका और बिहुआ समीर कुमार चेतिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संस्थान द्वारा कार्यशाला के माध्यम

से प्रतिवर्ष सैकड़ों प्रशिक्षार्थियों को बिहू नृत्य का प्रशिक्षण देकर युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक क्षेत्र में उत्कृसी बनाया जा रहा है। वहीं संस्थान के बहुत से प्रशिक्षार्थियों को विगत वर्ष गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने के उद्देश्य से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में असम सरकार द्वारा आयोजित बिहू प्रदर्शन कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला। आयोजकों ने बताया है कि कार्यशाला 6 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिए खुली रहेगी जिसमें भाग लेने के लिए मोबाइल नंबर 9954241847 और 9707823954 पर संपर्क करने को कहा गया है।

मॉस्को में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप में मिंगबी को मिला स्वर्ण व कांस्य पदक

विश्वनाथ (विभास)। सतिया की गेरेकी गांव की 10 वर्षीय मिंगबी बरफुकन ने मॉस्को, रूस में आयोजित वुशु स्टार चैम्पियनशिप 2024 अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जियागशु इवेंट में स्वर्ण पदक और सीयांगशू इवेंट में कांस्य पदक जीता। मिंगबी बरफुकन सतिया गेरेकी गांव के रॉबर्ट फुकन और बरशा फुकन की बेटी हैं। मिंगबी ने 2023 में चीन में होने वाली एशियाई जूनियर वुशू चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छठे स्थान पर रहीं थी आज मिंगबी की इस सफलता पर पूरे सतिया में खुशी की लहर छाई हुई है।

बिश्वनाथ में वेद विशेषज्ञ डॉ. शिव आचार्य स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित

बिश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ के प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान, वेद विशेषज्ञ डॉ. शिवा आचार्य स्मृति में डॉ. शिव आचार्य स्मृति न्यास और बिश्वनाथ कॉलेज के अनौपचारिक संस्कृत अध्ययन केंद्र ने संयुक्त रूप से 28 फरवरी को डॉ. शिवा आचार्य स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया। दोपहर दो बजे विश्वनाथ महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में रवीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के उपाचार्य डॉ. अमलेंदु चक्रवर्ती वक्ता के रूप में उपस्थित रहकर, उन्होंने वेदों में राष्ट्रीय की अवधारणा और भारत की एकता पर धाराप्रवाह भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.

शिव आचार्य स्मृति व्याख्यान की स्वागत समिति की सचिव शांता बरठाकुर ने किया। जिसमें शंकरदेव द्वारा रचित बरगीत का प्रस्तुति से कृशांगी बरुआ ने सभा की गरिमा बढ़ाई। डॉ. शिव आचार्य स्मृति न्यास के अध्यक्ष खगेन गोस्वामी द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया शुभारंभ सभा में डॉ. शिव आचार्य स्मृति न्यास के कार्यकरी अध्यक्ष कुमुद बरठाकुर, स्वागत समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अतुल शर्मा और उपाध्यक्ष डॉ. नरेश ठाकुर ने अपनी व्याख्यान दी। सभा में में बिश्वनाथ के विधायक प्रमोद बरठाकुर, गोहपुर विधायक उत्पल बोरा, बिश्वनाथ चारिआलि नगर पालिका के मेयर अमरज्योति बरठाकुर, गीता देवी, खगेन गोस्वामी, बिनोद दबारी, लोकनाथ उपाध्याय, डॉ. सरजीत दास, प्रफुल्ल भराली, मुकेश शर्मा के दो सौ से अधिक लोगों मौजूद थे।

रंगिया पुलिस ने जुआ सामग्रियों के साथ पांच को पकड़ा

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने शनिवार की सुबह रंगिया थानांतर्गत बिहदिया बीडीओ कार्यालय के पिछले हिस्से में छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया और इस अभियान में पांच लोगों को पकड़ने के साथ उनके पास से जुए की सामग्री और 360/- रुपए की राशि बरामद की है। पकड़े गए व्यक्ति क्रमश: बाईहाटा चाराली थाना क्षेत्र के अंतर्गत डांगरीकुची के टंकेश्वर बोड़ो (37) पुत्र- भाना बोड़ो, पुवपार जटियाभंगरा के बाबर अली(43) पुत्र- मजिद अली, कमलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत केंदुकोना के गोपाल दास(45) पुत्र-दिलीप दास और रंगिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत नं- 3 हसंग के उदय दास(32) पुत्र- राजेन दास और अरमान अली (45) पुत्र- ममताज अली है। पुलिस ने अभियान में बरामद की गई सामग्रियों को जब्द कर पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर रही है।

अगामी 22 मार्च को बिहार दिवस

गुवाहाटी। जैसा कि हम सब जानते हैं कि अगामी 22 मार्च को बिहार दिवस है यानी 12 मार्च 1912 को बिहार राज्य की स्थापना हुई थी। हमलोगों ने 22 मार्च 2012 को बिहार की 100 वीं स्थापना दिवस हिंदुस्तानी केंद्रीय विद्यालय में प्रतिष्ठा पूर्वक मनाया था। दो बर्ष पूर्व बिहार फाउंडेशन का गठन किया गया था। जो छोटे स्तर पर हर साल मनाता रहा है। जैसा कि हम सब जानते हैं वर्तमान केंद्रीय सरकार ने कोविड-19 महामारी के बाद जो विकट परिस्थितियों का जनजीवन ने झेला था उसको ध्यान में रखते हुए सरकार ने हर प्रदेश का स्थापना दिवस हर प्रदेश में महामहिम राज्यपाल के तत्वावधान में पिछले साल से प्रदेश का स्थापना दिवस असम में मनाया जा रहा है। इस बार असम में बिहार दिवस मनाने के लिए कल राज्यपाल

महोदय के कमिश्नर एवम सचिव श्री एस एस मिनाक्षी सुंदरम, आईएएस की अध्यक्षता में और बिहार फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री उमेश कुमार आईपीएस सेवा निवृत्त असम पुलिस के संयुक्त अध्यक्षता में पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी सम्मेलन, क्षत्रीय महासभा, मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति आदि संस्थाओं के साथ विचार विमर्श किया गया। अत: इस कार्यक्रम को सुचारु रुप से संपादन करने हेतु कल प्रवासी बिहारीयों के प्रमुख संगठन / समूह/ व्यक्तियों का एक आबश्यक बैठक रखा गया है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।

संपादकीय

खसरे का प्रकोप

अमरीका यूरोप, ब्रिटेन के बाद भारत में खसरा फैल रहा है। हालांकि यह कोरोना महामारी सरीखा जानलेवा संक्रमण नहीं है, लेकिन त्वचा से जुड़ा खतरनाक संक्रमण जरूर है। इसे घरेलू स्तर पर 'माता', 'चेचक', 'शीतला माता' कहा जाता है और घरेलू, देशी टोटकों से ही इसका इलाज करने की कोशिशें की जाती हैं, लेकिन समय पर खसरे का यथोचित मेडिकल इलाज न किया जाए, तो यह गंभीर जटिलताओं, आजीवन विकलांगता और अंततः मौत का कारण भी बन सकता है। यह फेफड़ों और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है। निमोनिया, मेनिनजाइटिस, अंधापन और दौरे का कारण भी बन सकता है। भारत में खसरे के संक्रमण का फैलाव चिंताजनक है, क्योंकि देश में औसतन हर साल करीब 10 लाख लोग खसरे का शिकार होते हैं। हालांकि औसतन मौत का कोई निश्चित डाटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन इतने व्यापक स्तर पर लोग संक्रमित होते हैं, तो जाहिर है कि मौत का संभावित आंकड़ा भी उसी के अनुपात में ही होगा! खसरे के कुछ लक्षण कोरोना वायरस सरीखे हैं। यह संक्रमण भी किसी संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से, मुंह की लार से, हाथ मिलाने या गले लगाने से, गर्भावस्था या प्रसव अथवा देखभाल के दौरान मां से बच्चे को हो सकता है। खांसने या छींकने का वायरस हवा में और सतहों पर रह सकता है। यदि कमरे में खसरा पीड़ित है और वह वहां से चला गया है, तो आप एक घंटे बाद ही वहां जाएं। यह सावधानी न बरतने पर खसरे से संक्रमित होने का खतरा 90 फीसदी है। संक्रमित के मुंह या नाक से बहते द्रव्य के सीधे या हवा के जरिए संपर्क में आने से भी संक्रमण हो सकता है। ये विभिन्न डॉक्टरों के शोधों और प्रयोगों के ही निष्कर्ष हैं। त्वचा पर लाल दाने या चकत्ते निकल आएं और उनमें तेज खुजली और जलन हो, तो ये खसरे के शुरुआती लक्षण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत, अमरीका और यूरोप में खसरे के फैलते संक्रमण पर चिंता जताई है और चेतावनी भी जारी की है। खसरा लाइलाज वायरस नहीं है। बाजार में इसके टीके उपलब्ध हैं। टीकाकरण खसरा रोकने का सबसे प्रभावी तरीका है। खसरा और रूबेला का टीका आमतौर पर दो खुराक में दिया जाता है। पहली खुराक बच्चे की 12-15 माह की उम्र में ही देनी चाहिए और दूसरी खुराक 4-6 साल की उम्र में दी जाती है। हालांकि भारत में खसरा टीकाकरण की सुविधाएं मौजूद हैं, फिर भी 2022 में करीब 11 लाख बच्चे भारत में खसरे के टीके की पहली खुराक लेने से ही चूक गए। यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन का है। नतीजतन भारत उन 10 देशों की जमात में आ गया, जहां महामारी के बाद भी खसरे के टीकाकरण में सबसे ज्यादा कमी आई है। वैज्ञानिकों और चिकित्सकों का मानना है कि टीका खसरे को रोकने में काफी असरदार है। किसी स्कूल या समुदाय में टीकाकरण दर 93 फीसदी या उससे अधिक है, तो उसकी सामूहिक प्रतिरक्षा काम कर सकती है। भारत सरकार विभिन्न टीकाकरण के अभियान चलाती रही है और लगभग सभी टीके मुफ्त ही लगाए जाते हैं, फिर भी 11 लाख बच्चों से जुड़ी कोताही की जाएगी, तो यही संक्रमण एक दिन 'महामारी' भी साबित हो सकता है। ब्रिटेन में चिकित्सक मानते हैं कि खसरे के मद्देनजर स्वास्थ्य की अनदेखी हुई है। नियमों की अवहेलना की गई है और अब काफी खराब हालात हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 2021 में दुनिया भर में खसरे से करीब 1,28,000 मौतें हुई थीं। यह अनुमानित आंकड़ा है। अब तीन साल बाद मौतों का आंकड़ा अधिक भी हो सकता है। मरने वाले लोगों की औसतन उम्र 5 साल से कम बताई जा रही है। ये कोई सामान्य आंकड़े नहीं हैं। खतरनाक तथ्य है कि खसरे के मामले 30 गुना बढ़े हैं, लेकिन टीकाकरण की औसत दर गिरती रही है। चूंकि कोरोना वैश्विक महामारी के बाद अब लोग खुल कर विदेश यात्राएं कर रहे हैं, लिहाजा खसरे का संक्रमण भी एक-दूसरे देश में फैल रहा है।

कोरोना महामारी सरीखा जानलेवा संक्रमण नहीं है, लेकिन त्वचा से जुड़ा खतरनाक संक्रमण जरूर है। इसे घरेलू स्तर पर 'माता', 'चेचक', 'शीतला माता' कहा जाता है और घरेलू, देशी टोटकों से ही इसका इलाज करने की कोशिशें की जाती हैं, लेकिन समय पर खसरे का यथोचित मेडिकल इलाज न किया जाए, तो यह गंभीर जटिलताओं, आजीवन विकलांगता और अंतत: मौत का कारण भी बन सकता है। यह फेफड़ों और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है। निमोनिया, मेनिनजाइटिस, अंधापन और दौरे का कारण भी बन सकता है। भारत में खसरे के संक्रमण का फैलाव चिंताजनक है, क्योंकि देश में औसतन हर साल करीब 10 लाख लोग खसरे का शिकार होते हैं। हालांकि औसतन मौत का कोई निश्चित डाटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन इतने व्यापक स्तर पर लोग संक्रमित होते हैं, तो जाहिर है कि मौत का संभावित आंकड़ा भी उसी के अनुपात में ही होगा! खसरे के कुछ लक्षण कोरोना वायरस सरीखे हैं। यह संक्रमण भी किसी संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से, मुंह की लार से, हाथ मिलाने या गले लगाने से, गर्भावस्था या प्रसव अथवा देखभाल के दौरान मां से बच्चे को हो सकता है।

प्राकृतिक आपदा के कहर ने सरकार के लिए बहुत सी आर्थिक चुनौतियां खड़ी कर दी

मुफ्त बिजली का प्रदेश पर आर्थिक प्रभाव

सत्यपाल वशिष्ठ

केन्द्र और राज्य में एक ही विचारधारा की सरकार होने से वित्तीय संकट नहीं आया, इसलिए उस समय की राज्य सरकार ने नए संसाधन उत्पन्न करने तथा मितव्ययिता पर ध्यान देने की भी आवश्यकता महसूस नहीं की। वर्तमान सरकार ने सत्ता पर कब्जा करने के हिसाब से, वित्तीय स्थिति का आकलन किए बगैर 10 गारंटियां सत्ता में आने पर देने का वादा कर दिया। सत्तासीन होने पर इन गारंटियों में से एक को पूरा किया है, जो कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने का वादा था। दूसरी गारंटी में 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की जगह अभी पिछली सरकार द्वारा दी जा रही 125 यूनिट मुफ्त बिजली को ही जारी रखा है, जिसको देने में भी सरकार को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अन्य राज्यों की तरह हिमाचल प्रदेश में मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की संस्कृति पिछली डबल इंजन सरकार में भी रही। केन्द्र और राज्य में एक ही विचारधारा की सरकार होने से वित्तीय संकट नहीं आया, इसलिए उस समय की राज्य सरकार ने नए संसाधन उत्पन्न करने तथा मितव्ययिता पर ध्यान देने की भी आवश्यकता महसूस नहीं की। वर्तमान सरकार ने सत्ता पर कब्जा करने के हिसाब से, वित्तीय स्थिति का आकलन किए बगैर 10 गारंटियां सत्ता में आने पर देने का वादा कर दिया। सत्तासीन होने पर इन गारंटियों में से एक को पूरा किया है, जो कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने का वादा था। दूसरी गारंटी में 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की जगह अभी पिछली सरकार द्वारा दी जा रही 125 यूनिट मुफ्त बिजली को ही जारी रखा है, जिसको देने में भी सरकार को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन मुफ्त उपहारों को बांटने का प्रभाव हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर भी पड़ रहा है, जो इस समय नाजुक दौर में है। हर व्यक्ति पर राज्य का ऋण 2023 में 1.02 लाख रुपए हो गया है। वर्तमान में हिमाचल सरकार पर कर्जा 87778 करोड़ रुपए हो गया है। प्राकृतिक आपदा के कहर ने सरकार के लिए बहुत सी आर्थिक चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। प्राकृतिक आपदा से 12000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। राज्य सरकार ने अपने ही स्तर पर 4500 करोड़ रुपए की सहायता लोगों को दी है। उधर केंद्रीय सरकार ने वर्तमान राज्य सरकार की ऋण सीमा को भी कम कर दिया है। हिमाचल सरकार ने नई पेंशन स्कीम के तहत जमा 9292 करोड़ रुपए केन्द्र सरकार से वापस मांगे क्योंकि कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम लागू कर दी है। यह राशि भी नहीं मिल सकी। बीबीएमबी से 4500 करोड़ रुपए लेने हैं जिसका भी भुगतान नहीं हुआ। हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने संसाधन बढ़ाने के लिए जल विद्युत परियोजनाओं पर जल उपकर लगाया। उससे 4000 करोड़ रुपए सालाना आने थे, वे भी फिलहाल अधर में लटके लग रहे हैं। नतीजतन हिमाचल प्रदेश सरकार को पूंजीगत व्यय कम करने पड़ रहे हैं। 2024-25 के बजट में राजकोषीय घाटा राज्य सकल घरेलू उत्पाद का 4.75 प्रतिशत है तथा सरकार ने अभी भी ज्यादातर धन ग्रांट इन एड तथा लोक ऋण से लेने

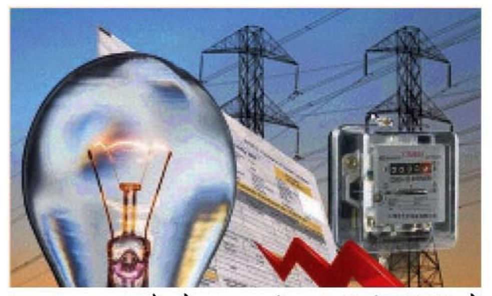

का प्रावधान रखा है, जो सरकार की खराब वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। हिमाचल प्रदेश की खराब आर्थिक स्थिति की जिम्मेदार, मुफ्त उपहार देने की संस्कृति है, जिसका प्रभाव सरकारी उपक्रमों पर भी पड़ा है और हर साल इन उपक्रमों का घाटा बढ़ ही रहा है। सरकार को इन सरकारी उपक्रमों की हालत सुधारने पर भी जोर देना होगा क्योंकि इन्हीं से ही हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इन उपक्रमों में से एक महत्त्वपूर्ण उपक्रम हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड है, जिसके कर्मचारी एवं पेंशनर्ज पहली जनवरी 2024 को धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, क्योंकि उनको वेतन तथा पेंशन का भुगतान पहली तारीख को नहीं किया गया। यह स्थिति 52 वर्षों में पहली बार आई। यह इसलिए हुआ क्योंकि हर 3 महीने में राज्य सरकार को 280 करोड़ रुपए राज्य की जनता को 125 यूनिट बिजली मुफ्त देने की एवज में बिजली बोर्ड को देने होते हैं जो हिमाचल सरकार आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण जमा नहीं करवा सकी। 125 यूनिट बिजली मुफ्त पिछली सरकार द्वारा दी जा रही फ्रीबीज है। वर्तमान सरकार ने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया है। तब सालाना यह राशि 3000 करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। कुछ वर्षों से विद्युत परिषद की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो गई है। बिजली बोर्ड का घाटा 31 मार्च 2023 को 1823.97 करोड़ रुपए था जो अब शायद और तेजी से बढ़ा है। राज्य सरकार की तरफ से बजट भी बहुत कम दिया गया है। इससे बिजली बोर्ड के आधुनिकीकरण में समस्याएं आ रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा विद्युत वितरण रेटिंग 2023 जारी की गई है, जिसमें हिमाचल प्रदेश विद्युत परिषद सी प्लस की रेटिंग के साथ सभी वितरण कंपनियों में 55वें स्थान पर रही। इसके कारण हैं : मुफ्त व कम दरों पर बिजली उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाना, सरकार द्वारा हर साल कम बजट देना, विभिन्न पदों को न भरना, जरूरी उपकरणों को उपलब्ध न करवाना, कर्मचारियों के लिए उचित शिकायत निवारण प्रणाली का न होना, कर्मचारियों में कार्य संस्कृति का न होना, स्वायत्त निकाय के रूप में काम न करने देना, बिजली सुधार ढंग से लागू न करना, सहभागिता प्रबंधन का न होना, उत्पादन और वितरण के कार्यों का अलग न होना आदि। हिमाचल राज्य विद्युत परिषद को विद्युत वितरण रेटिंग में सुधार करने के लिए विद्युत वितरण के कार्यों पर ही ध्यान देना चाहिए ताकि उपभोक्ताओं को अच्छी सेवाएं दे सके। विद्युत परिषद को पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के कार्य को अपने हाथों में लेना चाहिए। विद्युत परिषद को अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए सब्सिडी का सही आकलन करके उसकी अग्रिम राशि सरकार से लेनी चाहिए, सरकारी विभागों से बकाया राशि प्राथमिकता पर लेनी चाहिए तथा सरकारी दफ्तरों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने चाहिए। सरकार को बिजली बोर्ड की कार्यप्रणाली को सुधार कर, इसे सशक्त बोर्ड बनाने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि इसका मौजूदा मानव संसाधन बहुत कुशल है। हि. प्र. पावर कारपोरेशन को बिजली परियोजनाओं को तय समय पर पूर्ण करना चाहिए ताकि लागत में वृद्धि न हो। तय समय से पीछे चली शौंगटौंग पन बिजली परियोजना, बिजली बोर्ड द्वारा बनाई जा रही ऊहल तृतीय चरण (जिसमें बिजली की लागत 15 रुपए प्रति यूनिट से भी ऊपर हो गई होगी) को जल्दी शुरू करना चाहिए। पावर निगम को वाहनों पर खर्चा नियंत्रण करने की आवश्यकता है तथा साथ में अन्य मितव्ययिता के उपायों से घाटे को बढने से रोका जा सकता है जो 31 मार्च 2023 को 689.23 करोड़ रुपए था। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के अभियंताओं तथा कर्मचारियों ने मुफ्त बिजली न लेने की घोषणा की है जो एक सही कदम है। हिमाचल के सभी लोगों को भी मुफ्त की रेवड़ियां लेने से परेहज करने के बारे में सोचना होगा, क्योंकि मुफ्त के उपहारों को रोकने की शक्ति अंततः मतदाताओं के पास है और यही देश हित में होगा।

दृष्टि कोण

युद्ध बन गए हैं मुनाफे का कारोबार

यूक्रेन रूस युद्ध के तीन वर्ष पूरे हो चुके हैं और यह साफ जाहिर होता है कि इस अविवेकपूर्ण युद्ध को रोकने के प्रति न तो अमेरिका और न ही रूस इच्छुक है। आखिर कौन-सी वजह है, जिसके चलते यह युद्ध खत्म नहीं हो रहा? हजारों लोगों की जानें चली गईं और यूक्रेन में बड़े पैमाने पर विनाश हुआ, लेकिन फिलहाल युद्ध का कोई अंत नहीं दिख रहा है। यही नहीं, इस युद्ध में रूस की सैन्य प्रतिष्ठा पर भी आंच आती दिखी, क्योंकि वह अब तक यूक्रेन के केवल 17 फीसदी हिस्से पर ही कब्जा कर सका है। वास्तव में हमले के पहले वर्ष के बाद अमेरिका और रूस ने अपने सैन्य हथियारों का परीक्षण एवं प्रदर्शन करने के लिए युद्ध क्षेत्रों का उपयोग किया। ऐसा लगता है, मानो दोनों पक्ष अपने हथियारों की बिक्री और प्रदर्शन करना चाहते हैं, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि जान-माल के नुकसान की परवाह किए बिना युद्ध हथियार बेचने के लाभदायक व्यवसाय को आधार प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जनरल आइजनहावर ने स्वीकार किया था कि अमेरिका एक 'सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान' है। यूक्रेन युद्ध और गाजा पट्टी पर इस्राइल का हमला इस बात के ताजा उदाहरण हैं कि कैसे कम से कम युद्धविराम के जरिये समझौता किया जा सकता था, लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ के सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान के निहित स्वार्थों ने इसे रोक दिया। युद्धों से हथियारों की बिक्री होती है और यह अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के लिए लाभप्रद उद्यम है। इससे रोजगार सृजित होता है और चुनाव प्रचार एवं उम्मीदवारों को धन मिलता है। पश्चिमी देशों में रोजगार के अवसरों के विस्तार का लालच, दुनिया के अन्य हिस्सों में निर्दोष लोगों की जान पर भारी पड़ता है, चाहे सरकारों के नैतिक दावे कुछ भी हों। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हाल ही में कहा, 'यदि आप रूसी आक्रामकता से निपटने के लिए यूक्रेन की रक्षा में हमारे द्वारा किए गए निवेश को देखें, तो हमने जो सुरक्षा

सहायता प्रदान की है, उसका 90 फीसदी वास्तव में अमेरिका में निर्माताओं एवं उत्पादन पर खर्च किया गया है, जिससे अमेरिका में नौकरियां पैदा हुईं और हमारी अपनी अर्थव्यवस्था का ज्यादा विकास हुआ। इसलिए यह हमारे लिए फायदे का सौदा है, जिसे हमें जारी रखने की जरूरत है।' अमेरिकी विदेश मंत्री 2023 में ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। बीबीसी के विश्लेषक मैक्स मात्जा कहते हैं, 'हथियार हस्तांतरण और रक्षा व्यापार अमेरिकी विदेश नीति के महत्वपूर्ण उपकरण हैं, जिनका क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है।' अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने 80 अरब डॉलर से अधिक की बिक्री के लिए सीधे सौदा किया है, जो 2022 से 56 फीसदी ज्यादा है। बाकी अमेरिकी रक्षा कंपनियों द्वारा विदेशी देशों को सीधे हथियार बेचा गया था। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने हाल ही में कहा कि प्रतिदिन युद्ध की लागत 13.6 करोड़ डॉलर है और अमेरिकी संसद एवं यूरोपीय संघ में यूक्रेन को सैन्य सहायता एवं आवंटन को लेकर हुए हंगामे के कारण पुतिन का मनोबल बढ़ा और उसने यूक्रेन पर बड़े और आक्रामक हमले का आदेश दिया। इसने यूक्रेन के करीबी अन्य यूरोपीय देशों को परेशान कर दिया है। और बदले में अमेरिकी हथियारों की विदेशों में बिक्री पिछले साल तेजी से बढ़ी, जो रिकॉर्ड कुल 238 अरब डॉलर तक पहुंच गई, क्योंकि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने हथियारों की मांग बढ़ा दी। यूक्रेन पर रूसी हमला शुरू होने के बाद से अमेरिका और यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को सैन्य सहायता और वित्तीय सहायता के रूप में क्रमशः 113 अरब डॉलर और 91 अरब डॉलर दिए हैं। प्रमुख अमेरिकी समाचार एजेंसी पोलिटिको ने वाशिंगटन और उसके आसपास क्या कुछ चल रहा है, उस पर प्रकाश डाला है। जब ज्यादा से ज्यादा हथियारों के उत्पादन और बिक्री के लिए तीव्र पैरवी के प्रयासों की बात आती है, तो पोलिटिको ने दावा किया कि 'व्हाइट हाउस चुपचाप दोनों दलों के सांसदों से आग्रह करता है कि वे घरेलू आर्थिक उछाल के लिए दूसरे देशों में युद्धों को बढ़ावा दें। डेमोक्रेट्स एवं रिपब्लिकन, दोनों दलों के राजनेता रूस का प्रतिरोध करने के लिए यूक्रेन को सहायता देने का समर्थन करते रहे हैं, ताकि यह साबित किया जा सके कि ऐसा करना अमेरिका में रोजगार सृजन के लिए अच्छा है।' सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी और रणनीतिकार, जो हथियार उद्योग में आकर्षक भूमिका निभाते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि रक्षा क्षेत्र के दिग्गजों की बोली यथासंभव प्रभावी तरीके लगाई जाए।

कुछ अलग

बेरोज़गारी पलायन को मजबूर कर रहा है

मुझे कभी कभी दैनिक मज़दूरी मिल जाती है और कई बार तो हफ़्तों नहीं मिलती है। मेरी पत्नी लोगों के घरों में जाकर काम करती है। उसी से अभी घर का किसी प्रकार गुजारा चल रहा है। ऐसा लगता है कि बेरोजगारी के कारण अब बेटी की पढ़ाई भी छुड़ानी पड़ेगी क्योंकि फीस देने के लिए हमारे पास पैसा नहीं है। बीमार होने पर हम दवाई भी नहीं खरीद पाते हैं। सरकार की तरफ से भी हमें कोई रोजगार नहीं मिल रहा है। मनरेगा से भी कोई लाभ नहीं मिल रहा है। ऐसा लगता है कि रोज़गार के लिए दूसरे शहर ही जाना पड़ेगा।" यह कहना है 35 वर्षीय रुपाराम का, जो राजस्थान के बीकानेर स्थित लूणकरणसर ब्लॉक के कालू गांव में अपने परिवार के साथ रहते हैं। करीब 10334 की जनसंख्या वाला यह गांव जिला मुख्यालय से 92 किमी और ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 20 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां अनुसूचित जाति की संख्या करीब 14।5 प्रतिशत है। इस गांव में साक्षरता की दर लगभग 54।7 प्रतिशत है, जिसमें महिलाओं की साक्षरता दर मात्र 22।2 प्रतिशत है। इसके बावजूद गांव में बेरोज़गारी चरम पर है। ज़्यादातर लोग दैनिक मज़दूरी पर निर्भर हैं। जिसकी वजह से उनकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है। कृषि योग्य भूमि कम होने के कारण युवाओं के पास स्थाई रोज़गार का कोई साधन उपलब्ध नहीं है। बेरोजगारी के कारण लोगों का गुजारा मुश्किल हो रहा है। इसका प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहा है। आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं होने के कारण कई ग्रामीण अपने बच्चों के स्कूल की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। जिससे वह बच्चे अपनी पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। इस संबंध में गांव की एक 18 वर्षीय किशोरी ममता का कहना है कि "12वीं के बाद अब मुझे अपनी पढ़ाई छोड़नी होगी, क्योंकि मेरे माता पिता के पास रोज़गार का कोई साधन नहीं होने के कारण वह मेरी पढ़ाई का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। मेरा पढ़ने का बहुत मन करता है, पर मैं पढ़ाई नहीं कर सकती। कॉलेज में जाने और बुक्स का खर्च बहुत अधिक होता है। घर का खाना ही बहुत मुश्किल से चल पाता है तो ऐसे में वह मेरी पढ़ाई का खर्च कहां से उठाएंगे? गांव की एक 26 वर्षीय महिला चंदा का कहना है कि "मेरे पति खेत में दैनिक मज़दूर के रूप में काम करते हैं। जिससे घर का खर्च पूरा नहीं पाता है। हमारे गांव में रोजगार का कोई अन्य साधन भी नहीं है जिससे कि हम अपना खाना पीना ठीक से चला सकें। कई कई दिनों तक पति को काम भी नहीं मिलता है। मेरे तीन बच्चे हैं जो घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। गांव की अन्य महिला प्रेरणा का कहना है कि मेरी बेटी 10वी कक्षा मे पढ़ती है। घर में रोजगार की कोई उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हम उसका दाखिला अच्छे स्कूल में नहीं करवा पा रहे हैं। घर की आर्थिक हालत खराब रहने की वजह से वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगी है। जिसका नकारात्मक प्रभाव उसकी पढ़ाई पर पड़ने लगा है। इसी कारण वह पिछले वर्ष दसवीं में फेल हो गई थी। हालांकि उसे पढ़ने का बहुत शौक है और मैं भी उसे पढ़ाना चाहती हूं। लेकिन बेरोजगारी की मार ऐसी है कि घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में हम अपने बच्चो को कहां से पढ़ा पाएंगे? गांव के 40 वर्षीय भीमाराम कहते हैं कि "मैं उंट गाड़ी चलाने का काम करता हूं। जिसमें लोगों के सामान को उनके घर तक पहुंचाने का काम है। इससे मुझे कुछ ज्यादा बचता नहीं है। यानि मेहनत ज्यादा है और कमाई कम है। बेरोजगार घर बैठने से अच्छा है कि मैं ये काम कर लेता हूँ।" वह बताते हैं कि उनका परिवार मूल रूप से इसी कालू गांव का निवासी रहा है। अभी तक किसी प्रकार से गांव में ही रहकर रोज़गार कर रहे थे।

देश दुनीया से

बीते दशक में बैंकिंग और आर्थिक क्षेत्र में कई सुधार; बदलते चेहरे के साथ तेज विकास की संभावना

1991 में विदेश व्यापार, कर सुधार, विदेशी निवेश आदि क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अनेक उपाय किए गए, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ने में मदद मिली। मोदी सरकार के 2014 में सत्ता में आने से पहले, यानी 2013 में वर्तमान मूल्य पर भारत की जीडीपी 18 खरब डॉलर और 2007 में लगभग 10 खरब डॉलर थी। इस तरह, 1947 से ठीक 60 वर्षों बाद भारत की जीडीपी 2007 में 10 खरब डॉलर की हुई। आज रियल जीडीपी के हिसाब से भी भारतीय अर्थव्यवस्था 30 खरब डॉलर की हो गई है। 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, जबकि 2019 में, यानी सिर्फ पांच वर्षों के भीतर यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई।

वर्ष 1991 से देश में आर्थिक सुधार का शुभारंभ हुआ था, लेकिन इस दिशा में अब तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। 1991 में विदेश व्यापार, कर सुधार, विदेशी निवेश आदि क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अनेक उपाय किए गए, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ने में मदद मिली। मोदी सरकार के 2014 में सत्ता में आने से पहले, यानी 2013 में वर्तमान मूल्य पर भारत की जीडीपी 18 खरब डॉलर और 2007 में लगभग 10 खरब डॉलर थी। इस तरह, 1947 से ठीक 60 वर्षों बाद भारत की जीडीपी 2007 में 10 खरब डॉलर की हुई। आज रियल जीडीपी के हिसाब से भी भारतीय अर्थव्यवस्था 30 खरब डॉलर की हो गई है। 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, जबकि 2019 में, यानी सिर्फ पांच वर्षों के भीतर यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में श्वेत पत्र के माध्यम से यूपीए सरकार के कार्यकाल की नाकामियों और मोदी सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों को आम जनता के समक्ष रखते हुए बताया कि 2014 से पहले देश आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, जिसके कारण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मोदी सरकार को बहुत ज्यादा मशक्कत करनी पड़ी। इसके जवाब में कांग्रेस ने ब्लैक पेपर पेश किया, जिसमें मोदी सरकार की नाकामियों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि भाजपा लोकतंत्र को समाप्त करने का काम कर रही है और इसके कार्यकाल में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, भारत की जीडीपी वर्तमान मूल्य पर अभी 37.3 खरब डॉलर की है, जबकि आजादी के समय भारत की जीडीपी 227 अरब डॉलर की थी। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद बैंकिंग और आर्थिक क्षेत्र में कई सुधार किए, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का शुभारंभ, बैंकों का आपस में विलय, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम-स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी) आदि का आगाज। मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के सफर को आर्थिक सुधारों के संदर्भ में बहुत ही अहम बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में नॉमिनल जीडीपी के सात प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी के 7.3 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ने का अनुमान जताया गया है। यही नहीं, यह संभावना भी जताई गई है कि भारत की जीडीपी 2030 तक सात प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने भी भारत के वित्तीय क्षेत्र में आई मजबूती और सरकार द्वारा

किए गए हालिया संरचनात्मक सुधारों की वजह से सरकार के इस दावे की पुष्टि की है। ऐसे में, 2027 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 50 खरब डॉलर और 2030 में 70 खरब डॉलर से भी अधिक का हो जाएगा। पीपीपी के मामले में 2023 में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जबकि चीन और अमेरिका क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर थे। अस्सी के दशक में पहली बार, वित्त वर्ष 1989-90 में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सूचकांक ने 1,000 के अंक के स्तर को पार किया था। वर्ष 2006 में बीएसई सूचकांक ने 10,000 अंक के स्तर को पार किया। फिर वित्त वर्ष 2014-15 में यह 30,000 अंक के स्तर को और वित्त वर्ष 2018-19 में 40,000 अंक के स्तर को पार किया। वित्त वर्ष 2023 में रिकॉर्ड 70,000 अंक के स्तर को पार कर गया। निफ्टी सूचकांक भी वर्ष 2023 में रिकॉर्ड 21,000 अंक के स्तर को पार कर गया। भारत में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दर नियंत्रण में है। इसके अलावा, प्रति व्यक्ति आय में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आगामी वर्षों में भी मजबूती बनी रहेगी। बेशक जीडीपी के अनुपात में सरकारी कर्ज का प्रतिशत अधिक है, लेकिन वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और अन्य कर व गैर-कर राजस्व संग्रह में आ रही तेजी से इसमें आने वाले वर्षों में कुछ कमी आने की संभावना है।

आप का नजरीया

कूंजां के गीत पर कुंजू उदास

बहुत पहले जब संस्कृति भूगोल बनाती थी, तब डोगरी और कांगड़ी के बीच सेतु बन कर खड़ा एक लोकगीत 'कूंजां जाई पेइयां' हर सरहद के पार पहुंच जाता था। आज भी मल्लिका पुखराज के बाद उनकी बेटी ताहिरा सैयद पाकिस्तान में 'कूंजां' में भाषा, बोली या अर्थ से बेखबर उस युग को ढूंढ रही हैं, तो जिक्र एक साथ पपरोला और नादौन तक का भी आ जाता है। इसी तरह प्रताप शर्मा ने 'जीणा कांगड़े दा' जब गाया, तो पंजाब के सांस्कृतिक मिजाज में यह क्षेत्र घुल मिल जाता रहा। गीतों ने जो तब चुना वह अब 'नाटी सिरमौर आली ए' की धुन पर या 'रोहड़ू जाना मेरी आमिए' की लय पर हिमाचल के सुर जोड़ देता है, लेकिन क्या आज 'कूंजां' बूढ़ी हो गईं या राजनीतिक अवसाद से घिर गईं। कम से कम जो हिस्सा 'कूंजां' के माध्यम से देवर रूपी समाज को 'इक घुट पी जाइयां देरा' कहते हुए साझी विरासत का प्रदर्शन करता था, क्या उसे राजनेताओं ने खंडित कर दिया। क्यों आज हमीरपुर की 'कूंजां', कांगड़ा से अलग हो गईं। क्यों 'जीणा कांगड़े दा' जैसा प्रभाव छोडने वाली सांस्कृतिक विरासत हिमाचल में घुल मिल कर भी अपनी ही जमीन पर हार गई। कुलदीप शर्मा जैसा गायक आज भी शिमला से नीचे उतर कर 'इन्हां बडियां जो तुडक़ा' लगा रहा है, लेकिन सारी फिजां पर सियासत का कब्जा है। गीतों की आशा राजनीति की निराशा में क्यों उदास है। क्यों शिलान्यासों की पट्टिकाओं पर आकर 'कूंजा' पूछ रही हैं कि वे नौण कहां गए जहां का पानी पी कर कभी सारे मोहल्ले इक_ होते थे। आज 'जीणा कांगड़े दा' क्यों अपनी खिड़कियां सत्ता के पूर्व की ओर नहीं खोल पा रहा है। 'कूंजां' अगर देहरा में केंद्रीय विश्वविद्यालय की रात दिन बनती इमारतों पर आ कर बैठती हैं, तो धर्मशाला के जदरांगल की जमीन उनके लिए क्यों अछूत हो गई। ये कूंजां गहरे काले रंग में थीं, तो क्या अब इनका दिल भी काला हो गया। आखिर ये अब अपनी उड़ारी या उडऩे के नए रास्ते ढूंढते हुए कांगड़ा से क्यों रूठ गईं। साक्ष्य बताते हैं कि 'कूंजां' अब शिमला में मंत्रियों की बोली सीख रही हैं, तो सियासी पंडितों को भय है कि इनकी वजह से सत्ता की भाषा कहीं सदा के लिए ही बदल न जाए। कूंजां अपने संरक्षण के लिए पूरे प्रदेश में नई हरियाली देख रहीं, लेकिन भय यह है कि कहीं जहां के गीत गाकर ये प्रजाति शिमला तक पहुंच गई, उस कांगड़ा के लोगों के लिए यह अभिशाप न बन जाएं। आज कूंजां की प्रतिस्पर्धा में पौंग डैम के प्रवासी पक्षी आ चुके हैं। क्या कूंजां इसलिए कांगड़ा छोड़ चुकी हैं या इसके लिए दाना कम हो गया है। कल तक जो प्रदेश भाजपा की सत्ता में उड़ते पंछियों को पहचान रहा था, वह आज भी कुछ कटे पंख देख रहा है। जाहिर है ये पंख पंक्षियों के ही हैं। कुछ देशी और कुछ प्रवासी, लेकिन मंच पर कटे पंख लगा कर न जाने कितने नेता प्रयास कर रहे हैं, तो कहीं दूर सुधीर शर्मा के खेत में आहें उग रही हैं। वहां घायल कोई 'कूंजां' कोशिश कर रही है कि एक बार फिर से गाने के प्रयत्न से साबित किया जा सके कि 'नादौन के नोण का पानी आज भी मीठा है।' आश्चर्य यह कि जिस 'देरा' यानी देवर को 'कूंजां' प्रवाभित करती आई हैं, उसे अब भरोसा ही नहीं कि कांगड़ा के अंचल में कुछ मीठा भी हो सकता है। यही कड़वाहट बयानों में आती है, तो ब्यास के तट पर सुजानपुर टीहरा में 'कपड़े धोयां नाले रोआं' गा गा कर कुंजुआ को याद किया जा रहा है।

कांग्रेस ने झूठ बोलकर राज किया : भजनलाल शर्मा

झुंझुनू (हिंस)। जिले के नवलगढ़ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि झुंझुनू किसानों और जवानों की धरती है। यहां का जवान जीरो माइनस और पचास डिग्री तापमान में देश की रक्षा करता है। यहां का सैनिक देश के किसी भी कोने में होता है, वह झुंझुनू के साथ राजस्थान और मां भारती का गौरव बढ़ता है। देश में सबसे ज्यादा सैनिक झुंझुनू की धरती के है, ये धरती नमन करने योग्य और पूजनीय है। मुख्यमंत्री यमुना जल समझौता होने के बाद शनिवार को नवलगढ़ में आयोजित जल समझौता धन्यवाद सभा में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने यमुना नहर समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि योजना के तहत राजस्थान में तीन पाइप लाइन आएगी। चौथी लाइन हरियाणा की होगी। यह समझौता हुआ है। क्या किसी प्यासे को पानी नहीं पिलाना चाहिए। किसी के घर से पाइप लाइन आएगी तो उसे भी कुछ देना पड़ेगा। मैं कांग्रेस के वक्तव्य का झुंझुनू की धरती से जवाब देना चाहता हूं। कांग्रेस ने यमुना के पानी को लाने के लिए कोई काम नहीं किया, लेकिन हमने कहा कि राजस्थान के हक का पानी हमें चाहिए। हरियाणा का हिस्सा उनके पास और 1917 एमजीएम हिस्सा हमारे पास रहेगा। ईआरसीपी से भी राजस्थान के 21 जिलों को फायदा होने वाला है। उन्होंने कहा मध्यप्रदेश में कमलनाथ की सरकार थी। कांग्रेस सरकार ने वहां लगातार पत्र लिखे लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं आया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा राजस्थान के हक का पानी राजस्थान को मिलना चाहिए और सरकारों के बीच समझौता हो गया। कांग्रेस में कितनी बार हरियाणा, राजस्थान और केंद्र में सरकार रही है। लेकिन आपने क्यों नहीं किया। जनता को जवाब दीजिए। हमारी सरकार बनते ही दो महीने में समझौता हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस देश पर कांग्रेस ने सबसे ज्यादा राज किया है। वो झूठे वादे करते थे। यमुना के पानी लाने के नाम पर वोट लेकर जीतते थे। मैं कांग्रेस के लोगों को बताना चाहता हूं कि 70 साल के बाद भी गांवों में सड़क, नाली, शिक्षा और चिकित्सा की आवश्यकता है। फिर कांग्रेस के लोग किस मुंह से वोट मांगने का काम करते हैं। इंदिरा, राजीव, सोनिया और राहुल गांधी भी गरीबी हटाने के नाम वोट मांग रहे हैं। अब न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। अगर सबसे ज्यादा महिला अत्याचार की घटना राजस्थान में हुई है। दलित के साथ सबसे ज्यादा अत्याचार हुआ तक आपको न्याय यात्रा निकालनी चाहिए थी। अब चुनाव आ गए है तो न्याय यात्रा और भारत जोड़ यात्रा निकाल रहे हैं। भारत तोड़ने का काम तो आपने 70 साल में किया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जवाब देते हुए कहा कि आपको इतना गुस्सा क्यों आ रहा है गहलोत साहब कल आपने कहा ब्यूरोक्रेसी हावी है। ब्यूरोक्रेसी और आपके मंत्री आपके जमाने में क्या करते थे हमें वो भी पता है। हमने ट्रांसफरों का बैन खोला है तो डोटासरा जी आपको क्या दिक्कत आ गई। आपकी सरकार में तो खर्ची से काम होता था। बिना खर्ची के कोई काम नहीं होता था। हमारी सरकारी जीरो टोलरेंस पर काम करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अशोक गहलोत की खुद की गारंटी नहीं थी तो वो कैसे गारंटी दे सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गारंटी दे सकते हैं और गारंटी की भी गारंटी दे सकते हैं। विकास कार्यों की नींव भी हम रखते हैं और उद्घाटन भी हम ही करते हैं। इस देश में गारंटी पर भी गारंटी देने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है। जो शिलान्यास भी वही करते है और उद्घाटन भी वही करते हैं। हमने कहा था कर दिया है। पेपर लीक करने वालों को रोज पकड़ा जा रहा है उनको बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान राज्य के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, जन संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, विधायक विक्रम सिंह जाखल, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने खेतड़ी में भी एक जनसभा को संबोधित किया।

किसान आंदोलन के समर्थन के लिए हर समय तैयार रहें कमेटी सदस्य : राजू खरड़

हिसार (हिंस)। जिले के रामायण टोल प्लाजा पर एकत्रित हुए किसानों ने आंदोलन को तेज करने का ऐलान किया है। इसके लिए कमेटी सदस्यों को हर समय तैयार रहने का आह्वान किया गया है। रामायण टोल प्लाजा कमेटी की मासिक बैठक शनिवार को प्रधान राजू खरड़ की अध्यक्षता में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान राजू खरड़ ने कहा कि क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा किसानों को खनौरी बॉर्डर पर व शंभू बॉर्डर पर जाना चाहिए। इसके साथ ही कमेटी के सदस्यों को गांव गांव जाकर किसान आंदोलन के बारे में प्रचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा हिसार लघु सचिवालय के गेट पर 72 गांवों के किसानों द्वारा फसल मुआवजा की मांग पर धरना लगाया हुआ है। इसलिए रामायण टोल प्लाजा कमेटी व किसान संगठन के सदस्यों को उस धरने पर पहुंच आंदोलन को मजबूती प्रदान करनी चाहिए, ताकि मौसम के चलते खराब हुई फसलों का किसानों को बीमा क्लेम मिल सके। राजू खरड़ ने कहा कि हमें हर समय एक्टिव रहना है और किसान संगठनों की कोई भी कॉल आती है तो आपको तुरंत उस कॉल के हिसाब से आगे की कार्रवाई करनी पड़ेगी। बैठक में कैलाश मलिक उप प्रधान रामायण टोल प्लाजा कमेटी, दशरथ मलिक अध्यक्ष जिला हिसार भारतीय किसान नौजवान यूनियन, मुकेश मलिक उमरा, जगबीर ढंढेरी, पप्पु रामायण, कुलदीप फौजी खोखा, मोनू नयाना, रामकुमार खोखा, कृष्ण देपल, कृष्ण ढंढेरी, आजाद नयाना व बाली खरड़ आदि सहित कई अन्य मौजूद थे।

युवराज सिंह गुरदासपुर से नहीं लड़ेंगे चुनाव, एक्स पोस्ट में किया साफ

चंडीगढ़ (हिंस)। क्रिकेटर युवराज सिंह पंजाब के गुरदासपुर से चुनाव नहीं लड़ेंगे। युवराज सिंह ने शुक्रवार रात एक्स हैंडल पोस्ट पर इन अटकलों पर विराम लगा दिया। युवराज सिंह के गुरदासपुर से भाजपा टिकट पर चुनाव लड़ने की चर्चा कई दिनों से चल रही है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ युवराज सिंह की मुलाकात के बाद इस चर्चा ने जोर पकड़ा था। गुरदासपुर से अभिनेता सन्नी देओल भाजपा से सांसद हैं। देओल से पहले विनोद खन्ना भी इस सीट से सांसद रह चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने विनोद खन्ना के बाद देओल को इस सीट से उम्मीदवार बनाया था। सन्नी चुनाव जीतने के बाद एकाध बार ही हल्के में दिखाई दिए। उनकी गुमशुदगी के पोस्टर भी कई बार पंजाब में लग चुके हैं। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा कि मैं गुरदासपुर से चुनाव नहीं लड़ रहा हूं। मेरा जुनून विभिन्न क्षेत्रों में लोगों का समर्थन और मदद करने में निहित है। मैं अपने फाउंडेशन के जरिए ये काम जारी रखूंगा। आइए अपनी-अपनी क्षमताओं के साथ मिलकर बदलाव लाना जारी रखें।

राहु-सूर्य की युति तीन राशियों पर पड़ेगी भारी

जयपुर (हिंस)। जल्दी ही राहु-सूर्य का संयोग बनने जा रहा है। 14 मार्च को मीन राशि में राहु और सूर्य की युति बनने जा रही है। ज्योतिष में राहु-सूर्य की युति को अशुभ माना गया है। 14 मार्च को मीन राशि में सूर्य-राहु की यह युति 18 साल के बाद बनने जा रही है। इन दोनों ही ग्रहों की युति से ग्रहण योग का निर्माण होने जा रहा है। ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि 14 मार्च को बनने जा रहा ग्रहण योग से कुछ राशि के जातकों को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। ज्योतिषाचार्य शर्मा ने बताया कि वैदिक ज्योतिष में सूर्य और राहु ग्रह का विशेष महत्व है। ज्योतिष में जहां सूर्य को राजा का दर्जा हासिल है वहीं राहु को पापी और छाया ग्रह माना जाता है। जब सूर्य-राहु की युति होती है तो इसका बुरा प्रभाव सभी राशियों के साथ-साथ देश-दुनिया पर भी प ?ता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब भी दो ग्रह किसी राशि में गोचर करते हैं तो शुभ और अशुभ दोनों ही तरह का प्रभाव देखने को मिलता है। सूर्य हर एक महीने में अपनी राशि बदलते हैं वहीं राहु उल्टी चाल से चलते हुए 18 महीनों के बाद अपनी राशि बदलते हैं। तुला राशि के जातकों के लिए 14 मार्च को बनने वाला ग्रहण योग नुकसान करा सकता है। सूर्य-राहु की यह युति राशि से छठे भाव में बनेगी। ऐसे में आने वाला समय में रोग, बाधा, असफलता और शत्रु भय ज्यादा रहेगा। ग्रहण योग से धन हानि हो सकती है। वाद-विवाद पनप सकता है और कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। मानसिक तनाव के कई कारण पैदा हो सकते हैं। मीन राशि में बनने वाला ग्रहण दोष सिंह राशि के लोगों के लिए नकारात्मक परिणाम दे सकता है। यह ग्रहण योग अष्टम भाव में होगा। ऐसे में स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं। धन हानि होने से आर्थिक स्थिति डांवाडोल हो सकती है। कार्यक्षेत्र में साथियों के साथ किसी काम को लेकर बहसबाजी होने की आशंक हैं। जीवनसाथी संग मनमुटाव होने से मन दुखी रहेगा। ग्रहण योग बनने से कुंभ राशि के जातकों को ज्यादा सावधान रहने की जररूत है। व्यापार में हानि और नौकरी में परेशानियां आ सकती हैं। यह ग्रहण योग कुंडली के 12वें स्थान पर बनेगा। बेफिजूल के खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है। जमीन-जायदाद के मामले में कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। मान-सम्मान को ठेस पहुंच सकती है।

महिला कोच को केस के दस्तावेज मुहैया करवाएगी चंडीगढ़ पुलिस

चण्डीगढ़। हरियाणा के राज्य मंत्री संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाली महिला कोच को चंडीगढ़ पुलिस द्वारा केस से जुड़े दस्तावेज मुहैया करवाए जाएंगे। स्थानीय अदालत ने शनिवार को केस की सुनवाई के दौरान चंडीगढ़ पुलिस को यह निर्देश जारी किए। शनिवार को केस की सुनवाई के दौरान संदीप सिंह अदालत में पेश हुए। पीड़ित महिला कोच की शिकायत पर चंडीगढ़ पुलिस ने हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह पर दो गैर जमानती धाराओं सहित कई अलग-अलग धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

बिटकाइन में इंवेस्ट के नाम पर युवक से 35 लाख की ठगी

जोधपुर (हिंस)। शहर के बनाड़ क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को शातिर ने जानपहचान का फायदा उठाकर अपनी ठगी का शिकार बना दिया। बिटकाइन में निवेश के नाम पर 35 लाख रुपए लिए। मगर ना तो फर्म में खाता खुलवाया और ना ही दी गई रकम को लौटाया। पीड़ित ने अदालत में इस्तगास दायर कर अब बनाड़ थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है। पुलिस ने इसमें अब अग्रिम जांच आरंभ की है। बनाड़ पुलिस ने बताया कि बनाड़ निवासी अशोक डांगी पुत्र पीराराम डांगी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी जानपहचान चितौडगढ़ के रहने वाले राज वैष्णव उर्फ राजकिंग से वर्ष 2022 में हुई थी। राज वैष्णव ने उसे बिटकाइन में निवेश करने के साथ बड़े मुनाफे को प्रलोभन दिया। इसके झांसे में आकर उसने अपने दादा की जमीन पर लाखों को लोन ले लिया। फिर खुद के पास भी जमा राशि शेयर बाजार और मजदूरी के रुपए आरोपी को दे दिए। आरोपी को 35 लाख रुपए सितंबर 2022 में दिए गए। बाद में वह आनाकानी और टालमटोल जवाब देता रहा और रुपए हड़प कर गया। बनाड़ पुलिस ने अदालत से मिले इस्तगासे पर अब धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज किया है। जिसमें पड़ताल आरंभ की गई है।

फिर शुरू हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा, धौलपुर में किया रोड शो

धौलपुर (हिंस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार को धौलपुर से फिर से शुरू हुई। पांच दिन के अंतराल के बाद भारत जोडो न्याय यात्रा में राहुल गांधी ने रोड शो किया। इसके बाद चंबल नदी तट पर यात्रा ने मध्यप्रदेश के मुरैना जिले की सीमा में प्रवेश किया। इस दौरान सुरक्षा के कड़ प्रबंध किए गए थे। राहुल गांधी शनिवार दोपहर हेलीकाप्टर से धौलपुर की रिजर्व पुलिस लाइन में बनाए गए हेलीपेड पर उतरे। यहां पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा प्रदेश महामंत्री एवं राजाखेड़ा के विधायक रोहित बौहरा सहित अन्य ने उनकी आगवानी की। पुलिस लाइन से राहुल गांधी का काफिला आगरा-मुंबई नेशनल हाइवे स्थित राजाखेडा बाईपास पंहुचा। यहां से कड़ी सुरक्षा में भारत जोड़ो न्याय यात्रा एक बार फिर से शुरू हुई। न्याय यात्रा में ही रोड शो में लाल रंग की खुली जीप में सवार कांग्रेस नेता राहुल के साथ में अन्य कांग्रेसी नेता सवार थे। इस दौरान न्याय यात्रा एवं राहुल गांधी के रोड शो का शहर में कई स्थानों पर कांग्रेस नेताओं ने स्वागत किया। रोड शो के दौरान राहुल गांधी ने हाथ हिलाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा आमजन का अभिनंदन किया। राहुल की यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट, प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, सह प्रभारी अमृता धवन, प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के कई कांग्रेसी नेता तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे। धौलपुर में रोड शो के दौरान राहुल गांधी एक नए अवतार में दिखे। रोड शो के दौरान राहुल गांधी ने बाकी कांग्रेस नेताओं के साथ में उनका इंतजार कर रहे नौ साल के नन्हे कान्हा शर्मा को ना केवल केवल जीप में बुलाया, बल्कि उसको दुलार भी किया। इस दौरान कान्हा से आत्मीय वार्तालाप करते हुए राहुल ने उसकी शिक्षा तथा परिवार के बारे में पूछा। इस मुलाकात के दौरान कान्हा शर्मा ने अपनी गुल्लक राहुल गांधी को भेंट की, तो बदले में राहुल गांधी ने कान्हा को चाकलेट भेंट की। नन्हे कान्हा शर्मा के पिता एवं धौलपुर विधानसभा क्षेत्र के यूथ कांग्रेस अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि राहुल गांधी के धौलपुर दौरे को देखते हुए कान्हा ने राहुल गांधी से मिलने तथा गुल्लक में रखे अपनी बचत के पैसों को राहुल गांधी को भेंट करने की इच्छा जाहिर की थी। आज राहुल गांधी ने भी कान्हा को निराश नहीं किया और उसको दुलारते हुए उसकी भेंट स्वीकार की।

मेरा पहला वोट देश के नाम अभियान के तहत युवाओं को किया शिक्षित

कठुआ (हिंस)। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज कठुआ की एनएसएस इकाई ने *मेरा पहला वोट देश के नाम* अभियान का आयोजन किया, जो पहली बार मतदाताओं को उनके चुनावी अधिकारों के महत्व पर सशक्त और शिक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को भारत में लोकतंत्र के भविष्य को आकार देने में उनके वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताना था। कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ. इंद्रजीत कौर के संरक्षण और डॉ. रितु कुमार शर्मा की सतर्क देखरेख में इस अभियान में एनएसएस स्वयंसेवकों की भारी भागीदारी देखी गई, जिन्होंने अपना पहला वोट देश की प्रगति के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए लोक प्रशासन के सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश खजूरिया का एक व्यावहारिक व्याख्यान हुआ। डॉ. खजूरिया ने पहली बार मतदाताओं के लिए मतदान का महत्व विषय पर प्रकाश डाला, जिसमें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवा मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया और बताया गया कि कैसे उनके सूचित विकल्प राष्ट्र के विकास में योगदान करते हैं। डॉ. इंद्रजीत कौर ने इस पहल पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे युवाओं को मतदान के महत्व के बारे में शिक्षित करना हमारे लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। डॉ. रितु कुमार शर्मा जिनकी देखरेख में अभियान आयोजित किया गया था ने कार्यक्रम की सफलता पर टिप्पणी की कि आज हमने अपने युवा मतदाताओं के बीच एक चिंगारी जलाई है। हमारे एनएसएस स्वयंसेवकों ने जिस उत्साह के साथ इसे बनाने का संकल्प लिया है उसे देखकर खुशी हो रही है। उनका वोट हमारे राष्ट्र की भलाई के लिए गिना जाता है। इस अवसर पर प्रोफेसर गोपाल शर्मा सहायक प्रोफेसर संस्कृत भी उपस्थित थे।

एफआईआर के बावजूद हिंदू लड़की का कन्हैया जैसा हाल करने की धमकी दे रहा मुस्लिम युवक

जयपुर (हिंस)। उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपी भले ही गिरफ्तार हो गए हों, लेकिन इस कांड का उदाहरण दे-देकर आपराधिक मानसिकता वाले बदमाशों द्वारा लोगों को डराने-धमकाने के मामले सामने आते रहते हैं। हाल ही एक मामला जयपुर के ज्योतिनगर थाना क्षेत्र में सामने आया है जिसमें कन्हैयालाल हत्या कांड जैसा हाल करने की धमकी देते हुए एक मुस्लिम युवक हिंदू लड़की और उसके परिवार को लगातार परेशान करते हुए कहता है, कन्हैया जैसा हाल नहीं करवाना है तो मेरी बात मान जा। लड़की ने हिम्मत दिखाते हुए थाने में मामला दर्ज करा दिया, लेकिन पुलिस की ढिलाई यहां भी साफ नजर तब आई जब मामला दर्ज कराने के बाद आरोपी का दुस्साहस और बढ़ गया। वह लड़की के बाथरूम तक पहुंचकर नहाते समय उसके दरवाजे को खोलने का प्रयास करने लगा है। इतना ही नहीं आरोपी मुस्लिम युवक के पूरे परिवार ने हिंदू लड़की के घर पहुंच कर उन्हें डराया-धमकाया और कहा कि जैसा वे कह रहे हैं, वह मान ले, वर्ना कन्हैया जैसा हाल कर देंगे। फिलहाल पुलिस ने न तो पहले वाली एफआईआर पर, न दूसरी वाली रिपोर्ट पर कोई एक्शन लिया है। डर है कि कहीं राजस्थान में भी पश्चिम बंगाल के संदेशखाली की तरह कोई नया शाहजहां शेख न पैदा हो रहा हो। लोग यह कहने लगे हैं कि सरकार भले ही बदल गई है, लेकिन वर्दी की फितरत नहीं बदली है। जयपुर के ज्योतिनगर थाने में हिंदू लड़की द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में स्पष्ट बताया है कि फरदीन नाम का लड़का उसके साथ छेड़छाड़ करता है। आपत्ति करने पर मारपीट और गलत हरकतें करने का प्रयास भी करता था। परेशान होकर थाने में रिपोर्ट दी तो उसके बाद उसने डराना-धमकाना शुरू कर दिया। भाई को मारने की धमकी देता है, नानी को मारने की धमकी देता है। नहाते समय दरवाजे को पीटता है, खोलने का प्रयास तक करता है और घर की छत पर पत्थर फेंकता है, उदयपुर के कन्हैया जैसा हाल करने की धमकी देता है, यह भी कहता है कि जेल जाकर आने के बाद पूरे परिवार को मार देगा, तुम क्या बिगाड़ लोगे, ऐसा हाल करेगा कि वह समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी। रिपोर्ट में दर्ज कराया गया है कि 29 फरवरी को आरोपी फरदीन तलवार लेकर आया और गेट खुलवाने के लिए धमकाने लगा, गेट नहीं खोला तो उसने लड़की के भाई की गाड़ी पर पत्थर मारना शुरू कर दिया। लड़की ने अपने अंकल को फोन किया और सहायता के लिए बुलाया। अंकल ने कुछ लोगों को सहायता के लिए भेजा तो वह भाग गया, लेकिन उसके बाद आरोपी युवक का जीजा और अन्य परिवारजन आ गए और उन्होंने भी डराया-धमकाया और कहा जैसा वह कह रहा है कर ले वर्ना पूरे परिवार को जान से मार देंगे। फिलहाल मामले में पुलिस द्वारा किसी भी तरह का एक्शन सामने नहीं आया हैं।

नफे सिंह राठी हत्या केस के चार आरोपियों की हुई पहचान, फोटो जारी

झज्जर (हिंस)। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी की 25 फरवरी को बहादुरगढ़ में हुई हत्या के मामले में जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। झज्जर के पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन ने शनिवार को प्रेस वार्ता में दावा किया कि चार आरोपियों की पहचान हो चुकी है। इनमें आशीष उर्फ बाबा नांगलोई, नकुल सांगवान उर्फ दीपक सांगवान निवासी नारनौल और अतुल नजफगढ़ शामिल हैं। एक अन्य आरोपी की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। हरियाणा पुलिस द्वारा नफे सिंह हत्याकांड के तीन पहचाने गए आरोपियों पर एक-एक लाख का इनाम घोषित किया है। एसपी शनिवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वारदात में इस्तेमाल गाड़ी रेवाड़ी के रेलवे स्टेशन से बरामद कर ली गई है और एसएफएल की टीम ने उसका पूरा मुआयना कर लिया है। गाड़ी के मूल मालिक का पता लग चुका है। यह गाड़ी कई बार बेची गई है। हर खरीददारी से पूछताछ की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों तक यह गाड़ी कैसे पहुंची। उन्होंने बताया कि हत्याकांड में नामजद लोगों से पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार को चार लोगों से छह घंटे तक पूछताछ की गई। शनिवार को भी दो लोगों सतीश राठी और गौरव राठी से पूछताछ की जा रही है। हर पहलू पर पूछताछ जारी है। इस मामले में जो भी अपराधी होगा, उसको बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस टीम द्वारा विभिन्न प्रदेशों में छापामारी की जा रही है। जिस भी व्यक्ति का रोल मिलेगा, उसे गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने बताया कि धमकी देने वाले को राजस्थान से पकड़ा गया है। वह मानसिक रूप से बीमार है और उसका इलाज चल रहा है। उसका कोई क्रीमिनल रिकार्ड नहीं मिला है, लेकिन वह सोशल मीडिया पर गैंगस्टरों को फॉलो करता है।

एक क्लिक पर मिलेगी सरकारी स्कूलों की जानकारी

झुंझुनू (हिंस)। सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विभाग की ओर स्कूल की जानकारी व उसमें पढ़ाने वाले स्टाफ को लेकर एक नई पहल की गई है। अब अभिभावकों को बच्चे के एडमीशन से पहले स्कूल में जाकर पूछताछ करने की जरूरत नहीं होगी। अभिभावक घर बैठे ही एक क्लिक पर सरकारी स्कूल की जानकारी ले सकेंगे। घर बैठे ही स्कूल में पढ़ाए जाने वाले विषयों व स्टाफ, कितने शिक्षक है, कौन शिक्षक कौन सा विषय पढ़ा रहा है। किस विषय के अध्यापकों के पद स्कूल में रिक्त हैं। समेत कई जानकारी मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटॉप पर देख सकते हैं। यह जानकारी शाला दर्पण पोर्टल के सिटीजन पोर्टल पर सार्वजनिक की गई है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक बीकानेर ने एक आदेश जारी कर इसकी पालना के लिए सीडीईओ, डीईओ और अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया है। सिटीजन विंडो में स्टाफ के साथ स्कूल से जुड़ी जानकारी भी होगी, जिसमें स्कूल में संचालित विषय लिखे होंगे। इसके साथ ही स्कूल ग्रामीण क्षेत्र का है या शहरी क्षेत्र का, खेल मैदान है या नहीं, स्कूल पीईईओ है या अन्य, कम्प्यूटर लैब है या नहीं, स्कूल में छात्रावास है या नहीं, इसकी भी जानकारी मिलेगी। यह पूरी जानकारी पहले भी शाला दर्पण पोर्टल पर थी। लेकिन उसे केवल लॉगिंग आईडी से विभाग के कार्मिक ही देख सकते थे। अब यह जानकारी शाला दर्पण पोर्टल के सिटीजन पोर्टल पर सार्वजनिक की गई है। जिससे आम आदमी भी आसानी से देख सकेंगे।

कांग्रेस ने किसानों को दी एमएसपी का कानूनी हक देने की गारंटी : चक्रवर्ती शर्मा

हिसार (हिंस)। कांग्रेस हिसार लोकसभा प्रभारी चक्रवर्ती शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस ने किसान न्याय के तहत देश के किसानों को एमएसपी का कानूनी हक देने की गारंटी दी है। कांग्रेस का वादा है कि सीएसीपी को वैधानिक संस्था का दर्जा देने के लिए कांग्रेस सरकार बनने पर संसद में कानून पारित किया जाएगा। वे शनिवार को कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार सुनिश्चित करेगी कि तय फसलों की सभी खरीद फरोख्त पर एमएसपी लागू हों। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर कांग्रेस एमएसपी को सभी के लिए अनिवार्य बनाएगी और इसके लिए बाजार हस्तक्षेप सहित सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा की कांग्रेस की सरकार सुनिश्चित करेगी कि किसानों को फसलों की खरीद फरोख्त के विभिन्न विकल्प मिलें। इसके लिए मौजूदा एपीएमसी मंडियों को मजबूत किया जाएगा। साथ ही, स्वायत संस्थानों द्वारा संचालित ई-मार्केट भी स्थापित की जाएगी, जिनके मैनेजमेंट में किसानों की भागीदारी रहेगी। कांग्रेस की सरकार बनने पर किसानों को खेत से बाजार के बीच कहीं भी स्वेच्छा से फसल की बिक्री की आजादी प्रदान करेगी। इसके लिए बिक्री-खरीद समझौते का प्रारूप डिजिटल खाते में अपलोड करने का प्रावधान किया जाएगा। इस अवसर पर एआईसीसी पर्यवेक्षक प्रवेश त्यागी, पूर्व आईएस चंद्रप्रकाश, प्रदेश प्रवक्ता कुलबीर सिंह सोहल, धर्मवीर गोयत, महिला प्रदेश उपाध्यक्ष कमल सहरावत, वजीर सिंह पूनिया, पूर्व चेयरमैन सुखबीर डूडी, छत्रपाल सोनी, पूर्व चेयरमैन कृष्ण सिंगला (टीटू), तेजवीर पूनिया, ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष वर्मा, पूर्व अल्पसंख्यक विक्टर डेविड, राजेश कुमार मुंडई, रत्न कुमार बड़गुज्जर, युवा नेता विजेंद्र हुड्डा, पुनीत मुकलान, उमेश कुमार मुकलान, प्रदीप गावड़, कृष्ण कुमार जांगड़ा व ईश्वर जांगड़ा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सबका साथ, सबका विकास से वैश्विक स्तर पर बज रहा है भारत का डंका : डॉ. अशोक तंवर

सिरसा (हिंस)। केंद्र व प्रदेश में भाजपा अपनी कल्याणकारी नीतियों व योजनाओं के आधार पर तीसरी बार रिकॉर्ड मतों सेसत्तारूढ़ होगी। पूर्व सांसद व भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अशोक तंवर ने शनिवार को सिरसा में कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए यह बात कही। डॉ. तंवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास के आधार पर सभी राज्यों के विकास के लिए केंद्रीय निधि से आमजन का विकास करवाया है। किसानों की फसलों का उचित भाव देकर, गरीब व कल्याण योजनाओं को मूर्त रूप देते हुए उनकी आर्थिक स्थिति को पहले से कहीं अधिक मजबूती दी गई है। डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि सबके कल्याण की समान भावना को विकसित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने देश को विकास के उस पायदान पर ला खड़ा किया है जहां समूचे विश्व में भारत की जय जयकार हो रही है और डंका बज रहा है। वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूत व बड़े लोकतांत्रिक देश के तौर पर भारत के मस्तक को आज दुनिया का हर देश गौरव से देख रहा है, जिससे तमाम देशवासी गौरवान्वित हुए हैं। तंवर ने कहा कि भारत में जहां प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तो हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में विकास की उस पगडंडी को छुआ है जो अब से पूर्व किसी भी सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ।

वियतनाम की विनफास्ट ईवी ने प्लांट लगाना किया शुरू , टेस्ला अपनी योजना को नहीं उतार पाई जमीन पर

नई दिल्ली ।

वियतनाम की एक इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनी विनफास्ट ईवी ने भारत में प्लांट लगाना शुरू भी कर दिया है। वहीं अमेरिकी कंपनी टेस्ला अपनी योजना को अभी तक जमीन पर नहीं उतार पाई है। वियतनाम की कंपनी तमिलनाडु के थूथुकुडी में 400 एकड़ में प्लांट का निर्माण शुरू कर रही है। कंपनी ने देश में अपनी इलेक्ट्रिक कारों के लिए डीलरशिप विकसित करने की बात भी कही है। विनफास्ट ने भारत में अपने प्लांट में अगले पांच वर्षों में लगभग 4,144 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के प्लांट की क्षमता सालाना 1.5 लाख वाहन तैयार करने की होगी। कंपनी का कहना है कि ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट राज्य में 3,000 से 3,500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा।ऑटोमोटिव उद्योग में एक नए प्लेयर के रूप में विनफास्ट ने 2017 में वियतनाम में आधिकारिक तौर पर परिचालन शुरू किया। शुरुआत में, ईवी निर्माता ने बीएमडब्ल्यू कारों पर आधारित स्कूटर और मॉडल पेश किए। 2021 में, विनफास्ट ने वियतनाम में तीन इलेक्ट्रिक कारें, दो नए इलेक्ट्रिक स्कूटर और एक इलेक्ट्रिक बस लॉन्च करके अपनी पेशकश का विस्तार किया। अगले वर्ष, विनफास्ट ने अमेरिका, यूरोप और कनाडा में शोरूम स्थापित करके अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना शुरू किया। विनफास्ट वर्तमान में अमेरिका में वीएफ8 और वीएफ9 एसयूवीएस और कनाडा में वीएफ6 और वीएफ 7 एसयूवीएस जैसे मॉडल बेचती है।विनफास्ट ने भारत में प्लांट लगाने की शुरुआत कर दी है। हालांकि, इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन शुरू होने में अभी कुछ समय लग सकता है। खबरों की मानें तो कंपनी 2025 से भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री शुरू कर सकती है। शुरुआत में कंपनी पूरी तरह से बने हुए मॉडलों (सीबीयू) को भारत लाएगी, जिसके बाद 2026 तक भारत में पूरी तरह से नॉक-डाउन (सीकेडी) यूनिट्स पेश किए जाएंगे। इसके बाद स्थानीय रूप से बने मॉडल पेश किए जाएंगे। पहले कुछ मॉडल विनफास्ट वीएफ 7 और विनफास्ट वीएफ 6 जैसे एसयूवी और क्रॉसओवर हो सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

2072 करोड़ रुपये का जुर्माना, भारतीय मूल के पांच भाइयों के विवाद में अमेरिकी अदालत का बड़ा फैसला

नई दिल्ली । अमेरिका की एक जूरी ने भारतीय मूल के पांच भाइयों के साथ हुए कानूनी झगड़े में अरबों डॉलर के भारी भरकम हर्जाने का आदेश दिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में पांच भाई और लॉस एंजिल्स रियल एस्टेट में उनकी महत्वपूर्ण संपत्ति शामिल है। एक लंबे मुकदमे के बाद, एक भाई, हरेश जोगानी को अपने भाइयों को हर्जाने के तौर पर 2.5 बिलियन डॉलर (लगभग 2,072 करोड़ रुपये) से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया गया है। इसके अतिरिक्त, उसे अपनी संपत्ति भी साझा करनी होगी, जिसमें लगभग 17,000 अपार्टमेंट शामिल हैं। इनकी कीमत अरबों अमेरिकी डॉलर से अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला 21 साल पुराने भूमि विवाद में आया है, जिसमें हरेश जोगानी को अपने चार भाइयों को हर्जाने में 2,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने और दक्षिणी कैलिफोर्निया में उनके संपत्ति साम्राज्य के शेयरों को विभाजित करने का आदेश दिया गया था। 2003 में शुरू हुआ यह मुकदमा, अंतत: फैसला सुनाने वाली जुरी के पासा आया। इस इससे पहले यह केस लॉस एंजिल्स सुपीरियर कोर्ट में 18 अपीलों, कई वकीलों और पांच न्यायाधीशों के दौर से गुजरा। मुकदमे में आरोप लगाए गए थे कि हरेश जोगानी ने अपने भाइयों के साथ लंबे समय से चली आ रही साझेदारी का उल्लंघन किया था। रिपोर्टों के अनुसार, दंडात्मक हर्जाने पर सुनवाई सोमवार को भी सूचीबद्ध किया गया है, ऐसे में इस बात के भी कयास लग रहे हैं कि मौजूदा 2,000 करोड़ रुपये के जुर्माने में बढ़ोतरी भी हो सकती है। गुजरात के मूल निवासी जोगानी भाइयों ने यूरोप, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और मध्य पूर्व में हीरा व्यापार के जरिए अपनी पहचात दर्ज कराई थी। शशिकांत जोगानी ने 2003 में जो शिकायत दर्ज कराई थी, उसके अनुसार वह 1969 में कैलिफोर्निया चले गए और रत्न कारोबार और संपत्ति पोर्टफोलियो में अपनी फर्म शुरू की थी। 1990 के दशक की शुरुआत में, जब मंदी के दौर में नुकसान हो रहा था तो शशिकांत जोगानी अपने भाइयों को बोर्ड में लाए और उन्हें अपना फर्म पार्टनर बनाया। शिकायत के अनुसार, हरेश जोगानी इस मौखिक समझौते को समाप्त कर दिया और अपने भाई (शशिकांत जोगानी) को प्रबंधन से जबरन हटा दिया। उन्हें भुगतान करने से से भी इनकार कर दिया। शशिकांत जोगानी की शिकायत के अनुसार, ऐसा तब हुआ जब फर्म ने खरीदारी की होड़ शुरू की, और अंतत: लगभग 17,000 अपार्टमेंट इकाइयों का पोर्टफोलियो बनाया। दूसरी ओर, हरेश जोगानी ने तर्क दिया कि लिखित समझौते के बिना, उनके भाई-बहन यह साबित नहीं कर सकते कि उनकी उनके साथ साझेदारी थी। लेकिन लॉस एंजिल्स की अदालत ने

एलआईसी से सरकार को ढाई हजार करोड़ का डिविडेंड मिला, कंपनी के शेयरों में उछाल, 70 फीसदी बढ़े

मुंबई । भारत सरकार को एक कंपनी से डिविडेंड के रूप में 2,441 करोड़ की राशि मिली है। ये राशि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम ने डिविडेंड के तौर पर दी है। इस बारे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने 2,441.44 करोड़ रुपये का डिविडेंड चेक सौंपा है। बता दें इस मौके पर वित्त सचिव विवेक जोशी भी उपस्थिति थे। एलआईसी के चेयरमैन ने वित्त मंत्री को ये चेक सौंपा। इसी बीच एलआईसी के शेयरों में भी उछाल देखा गया। 0.69 फीसदी की तेजी के साथ 1,029.90 रुपये के भाव पर बंद हुए। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 8.93 फीसदी की तेजी आई है। वहीं पिछले 6 महीने में इसके शेयरों का भाव करीब 56.38 फीसदी बढ़ा है। पिछले एक साल में एलआईसी ने 71.34 फीसदी का अच्छा रिटर्न दिया है। दिसंबर में एलआईसी ने बाजार मूल्यांकन के हिसाब से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को पछाड़कर देश की सबसे मूल्यवान पीएसयू फर्म बन गई। अब तक रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,46,521.81 करोड़ के बाजार पूंजीकरण के साथ भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी है, इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और एलआईसी पर हैं। एलआईसी आईपीओ के लॉन्च के एक साल बाद कंपनी के स्टॉक को अक्सर बाजार विशेषज्ञों द्वारा धन विनाशक के रूप में स्तर पर किया गया था। हालांकि कंपनी का शेयर पिछले 5-6 महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

डब्ल्यूटीओ में किसानों व मछुआरों के लाभ के लिए भारत की नीति में बदलाव नहीं, बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली ।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन का नतीजा अच्छा रहा और भारत पूरी तरह संतुष्ट है क्योंकि देश हर तरह से किसानों व मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए अपनीनीति पर कायम है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ये बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों के बीच वितरण के लिए नई दिल्ली में अनाज की खरीद निर्बाध और बिना किसी बाधा के जारी है। मंत्री ने 166 सदस्यीय विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के व्यापार मंत्रियों की पांच दिवसीय बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, भारत ने अपने किसानों, मछुआरों और हर तरह से भारत के हितों को उच्चतम स्तर तक ले जाने के लिए अपनी पूरी नीति बरकरार रखी है। चूंकि सदस्य कृषि और मत्स्य पालन सब्सिडी जैसे प्रमुख मुद्दों पर आम सहमति तक नहीं पहुंच पाए, इसलिए 29 फरवरी को समाप्त होने वाली वार्ता को एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया। डब्ल्यूटीओ के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में वार्ता सार्वजनिक खाद्य भंडार का स्थायी समाधान खोजने और मत्स्य पालन सब्सिडी पर अंकुश लगाने जैसे मुद्दों पर कोई निर्णय नहीं होने के साथ समाप्त हो गई। हालांकि सदस्य ई-कॉमर्स व्यापार पर आयात शुल्क लगाने पर स्थगन को दो और वर्षों के लिए बढ़ाने पर सहमत हुए। विश्व व्यापार संगठन का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन भी अधिक परिणाम प्राप्त करने में कामयाब रहा, जैसे कि सेवाओं के लिए घरेलू विनियमन पर नए विषय, विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों के रूप में कोमोरोस और तिमोर-लेस्ते का औपचारिक रूप से जुड़ना, और कम से कम विकासशील देशों को स्नातक होने के तीन साल बाद भी एलडीसी के लाभ प्राप्त करना जारी रखना। विश्व व्यापार संगठन का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन बेनतीजा रहा। सार्वजनिक खाद्यान्न भंडार का स्थायी समाधान खोजने और मत्स्य पालन सब्सिडी पर अंकुश लगाने जैसे प्रमुख मुद्दों पर कोई निर्णय नहीं हुआ। हालांकि सदस्य देश ई-कॉमर्स व्यापार पर आयात शुल्क लगाने को लेकर रोक को और दो साल के लिए बढ़ाने पर सहमत हुए। तेरहवें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में कुछ और मामलों में परिणाम प्राप्त करने में सफलता मिली। इसमें सेवाओं के लिए घरेलू विनियमन पर नई व्यवस्था, डब्ल्यूटीओ के नये सदस्यों के रूप में कोमोरोस और तिमोर-लेस्ते का औपचारिक रूप से शामिल होना और कम विकसित देशों (एलडीसी) को इसके दर्जे से बाहर निकलने के तीन साल बाद भी एलडीसी का लाभ मिलते रहने की बात शामिल है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, "यह अच्छा परिणाम है और हम पूरी तरह संतुष्ट हैं।" उन्होंने कहा कि कई मुद्दों पर चर्चा की दृष्टि से प्रगति जारी है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, "कई विवादास्पद मुद्दों पर प्रगति हुई है। इन मामलों में कई वर्षों से चर्चा जारी है लेकिन आगे बढ़ना हमेशा निष्कर्ष पर पहुंचने का संकेत होता है। भारत ने खाद्य सुरक्षा के मुद्दे को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया और देश के गरीब किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा के साथ-साथ अन्य मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बातें रखी और रुख पर कायम रहा। चार दिनों की व्यस्त बातचीत एक दिन के लिए बढ़ाए जाने के बावजूद, 166 सदस्यीय विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) खाद्य सुरक्षा मुद्दे को हल करने के लिए एक आम सहमति पर नहीं पहुंच पाया। यह मांग भारत ने प्रमुखता से उठाई क्योंकि यह 80 करोड़ लोगों की आजीविका के लिहाज से महत्वपूर्ण है। साथ ही अत्यधिक और क्षमता से अधिक मछली पकड़ने को बढ़ावा देने वाली सब्सिडी पर अंकुश लगाने के मामले में भी कोई सहमति नहीं बन सकी।

और ब्राजील जैसे देशों के केर्न्स समूह ने दावा किया है कि सार्वजनिक भंडार व्यवस्था बाजार को नुकसान पहुंचा रही है और कोई निर्यात प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। जापान और सिंगापुर जैसे खाद्य आयातक देश कृषि नीतियों में विश्वसनीयत पर जोर दे रहे हैं। दूसरी ओर, अमेरिका अपनी कृषि वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच चाहता है और यूरोपीय संघ सब्सिडी में कटौती चाहता है। भारत खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए अनाज के सार्वजनिक भंडार के मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए दबाव डाल रहा है। साथ ही उसने सुदूर जल क्षेत्र में मछली पकड़ने में लगे विकसित देशों से 25 साल के लिए किसी भी प्रकार की सब्सिडी देना बंद करने को कहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमीर देशों के मछुआरों और विकासशील देशों के मछुआरों के बीच कोई तुलना नहीं की जानी चाहिए। विकसित देशों में से एक में मत्स्य सब्सिडी प्रति मछुआरा 80,000 डॉलर से अधिक है जबकि भारत में यह प्रति मछुआरा लगभग 38 डॉलर है। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने निवेश सुविधा पर चीन के नेतृत्व वाले एक प्रस्ताव को भी खारिज किया। दोनों देशों ने कहा कि यह एजेंडा डब्ल्यूटीओ को मिली जिम्मेदारी से बाहर है। भारत ने औद्योगिक नीति पर यूरोपीय संघ के एक प्रस्ताव को भी रोक दिया।

अनाज के सार्वजनिक भंडार (पीएसएच) कार्यक्रम एक नीतिगत कदम है। इसके तहत सरकार किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर चावल और गेहूं जैसी फसलें खरीदती है और उसका भंडारण कर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत गरीबों को उसका वितरण करती है।

एफआईयू ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर लगाया 5.49 करोड़ रुपये का जुर्माना, वित्त मंत्रालय ने बताया यह कारण

नई दिल्ली ।

फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट-इंडिया ने मनी लॉन्ड्रिंग के लिए पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर 5.49 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। वित्त मंत्रालय की ओर से यह जानकारी दी गई है। मंत्रालय के अनुसार अवैध गतिविधियों में लिप्त इकाइयों की ओर से पेटीएम पेमेंट्स बैंक में रखे गए बैंक का इस्तेमाल किया गया।

एफआईयू-आईएनडी ने कुछ संस्थाओं और उनके व्यवसायों के नेटवर्क के संबंध में कानून प्रवर्तन एजेंसियों से जानकारी मिलने पर पेटीएम पेमेंट्स बैंक की समीक्षा शुरू की थी। ये संस्थान ऑनलाइन जुआ खेलने की सुविधा देने जैसे अवैध कार्यों को अंजाम दे रहे थे।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन अवैध परिचालनों से प्राप्त धन, यानी अपराध की आय का लेनदेन पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के खातों के माध्यम से किया गया।

वित्त मंत्रालय ने कहा, फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट-इंडिया (एफआईयू-आईएनडी) ने पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) के तहत नियमों के उल्लंघन के कारण पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड पर 5.49 करोड़ रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। एफआईयू ने 15 फरवरी को जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया था।

एफआईयू ने यह कार्रवाई आरबीआई के 31 जनवरी के उस निर्देश के बाद की है, जिसमें पेटीएम पेमेंट बैंक को अपने ग्राहकों के खातों में 29 फरवरी से ताजा जमा स्वीकार करने से रोक दिया गया था। बाद में यह तिथि बढ़ाकर 15 मार्च कर दी गई।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बयान

वहीं, पेटीएम पेमेंट्स बैंक के प्रवक्ता का कहना है कि यह जुर्माना एक बिजनेस सेगमेंट के मामले से संबंधित है जिसे दो साल पहले बंद कर दिया गया था। उसके बाद, हमने वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) के लिए अपनी निगरानी प्रणाली और रिपोर्टिंग तंत्र को मजबूत किया है।

बार्सिलोना स्पेन में सैमसंग गैलेक्सी रिंग पेश, रिंग हेल्थ का रखेगी खूब ध्यान

नई दिल्ली ।

बार्सिलोना स्पेन में जारी एमडब्ल्यूसी 2024 के दौरान सैमसंग ने गैलेक्सी रिंग को पेश कर दिया है। गैलेक्सी अनपेक्ड 2024 इवेंट के दौरान सैमसंग ने अपने पहले स्मार्ट रिंग के लिए टीजर जारी किया था। कंपनी अभी किसी भी विजिटर को इसे ट्राई करने के लिए नहीं दिया गया। लेकिन, इस सैमसंग वियरेबल डिवाइस के काफी सारे फीचर्स जारी कर दिए गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग गैलेक्सी रिंग यूजर्स का हार्ट रेट, रेस्पिरेटरी रेट और स्लीप रिकॉर्ड जैसे डेटा को ट्रैक करेगी। ये रिंग एक वाइटैलिटी स्कोर भी शो करेगी, जो यह देखने के लिए कि आप कितने प्रोडक्टिव हो सकते हैं, फिजिकल और मेंटल रेडीनेस के बारे में डेटा कलेक्ट करता है। यूजर्स इस डेटा को सैमसंग हेल्थ ऐप के जरिए एक्सेस कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग इसमें एक पेमेंट फीचर भी शामिल कर सकता है। ताकी गैलेक्सी रिंग के जरिए यूजर्स कॉन्टैक्टलेस पेमेंट्स कर सकें। साथ ही इस रिंग की बिक्री यूएस में इसी साल हो सकती है। हालांकि, कीमत और लॉन्च डिटेल फिलहाल सामने नहीं आई है। ये स्मार्ट रिंग सिरेमिक ब्लैक, प्लैटिनम सिल्वर और गोल्ड कलर ऑप्शन में आ सकती है। इस रिंग में हार्ट रेट, मूवमेंट, ब्रीदिंग पैटर्न और स्लीप साइकल ट्रैकर जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। इस रिंग में एआई बेस्ड फीचर्स भी दिए जा सकते हैं। एक कंपनी एग्जीक्यूटिव ने बताया है कि कंपनी इस वियरेबल डिवाइस में ग्लूकोज मॉनिटरिंग और ब्लड प्रेशर सेसिंग टेक्नोलॉजी भी दे सकती है। फिलहाल ब्लड ग्लूकोज चेक करने के लिए लोगों को अभी स्किन में पिन करना होता है।

कृषि उपज को अब आसानी से मिलने लगेगा बाजार, ओएनडीसी प्लेटफार्म पर पांच हजार एफपीओ पंजीकृत

नई दिल्ली।

कृषि पैदावार को ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से आसानी से बेहतर बाजार तक पहुंचाने का काम तेजी से आगे बढ़ा है। इसके तहत आठ हजार पंजीकृत किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) में पांच हजार को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) पोर्टल से जोड़ दिया गया है। इससे देश के किसी भी हिस्से में खरीदारों तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

एफपीओ का गठन कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया गया है। इससे लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि से किसानों की आय बढ़ रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ गांवों में ही रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

वर्ष 2020 में शुरू हुई थी यह व्यवस्था

ओएनडीसी से एफपीओ के संबद्ध होने से डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन भुगतान, बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-कंज्यूमर लेनदेन कारोबार सशक्त बन सकेगा। इस व्यवस्था को केंद्र सरकार ने 6,865 करोड़ रुपये के बजटीय प्रविधान के साथ वर्ष 2020 में शुरू किया था। इसके तहत दस हजार एफपीओ बनाना है। अभी तक आठ हजार बन चुके हैं। एफपीओ के माध्यम से छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों का बाजार से संपर्क तेजी से बढ़ा है। 1,101 एफपीओ को 246 करोड़ की क्रेडिट गारंटी प्रत्येक एफपीओ को तीन वर्ष के लिए 18 लाख रुपये तक की मदद दी जाती है। संस्थागत ऋण को आसान बनाने के लिए एफपीओ के प्रत्येक सदस्य को दो-दो हजार रुपये तक मैचिंग इक्विटी अनुदान देने और ऋण देने वाली संस्थाओं से प्रति एफपीओ दो करोड़ रुपये के परियोजना ऋण की क्रेडिट गारंटी सुविधा का प्रविधान किया गया है। अभी तक 1,101 एफपीओ को 246 करोड़ की क्रेडिट गारंटी दी गई है।

अनंत में दिखती है पिता धीरूभाई अंबानी की झलक, प्री-वेडिंग समारोह में बोले मुकेश अंबानी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने अपने बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में आए खास मेहमानों का आभार जताया। कारोबार जगत के दिग्गजों, कलाकारों, एथलीटों और फिल्म हस्तियों को उनकी उपस्थिति के लिए आभार जताते हुए अंबानी ने अपने संबोधन की शुरुआत की। अपने संबोधन में, मुकेश अंबानी ने परिवार के खुशी के मौके पर मौजूद रहने के लिए मेहमानों को धन्यवाद कहा। उन्होंने ने जामनगर पहुंचे मेहमानों से कहा कि आप सबने इस शादी के माहौल को मंगलमय बना दिया है।

अनंत अंबानी के बारे में उन्होंने कहा कि संस्कृत में अनंत का मतलब होता है जिसका कोई अंत नहीं। मुझे अनंत में अनंत संभावनाएं दिखती हैं। उन्होंने कहा कि मैं अनंत अंबानी में अनंत शक्ति देखता हूं। जब मैं अनंत को देखता हूं तो मुझे अपने पिता धीरूभाई अंबानी की झलक दिखती है। उन्होंने कहा कि अनंत और राधिका मर्चेंट की शादी के मसले पर मुकेश अंबानी ने कहा, ये तो रब ने बना दी जोड़ी है। अंनत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री वेडिंग समारोह का आयोजन गुजरात के जामनगर में मार्च से तीन मार्च के बीच किया जा रहा है।

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने भी राधिका मर्चेंट के साथ अपने बेटे अनंत अंबानी के प्री-वेडिंग फंक्शन पर भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कला और संस्कृति के महत्व पर जोर देते हुए कहा, मेरे पूरे जीवन में मैं कला और संस्कृति से प्रेरित रही हूं। इसने मुझे गहराई से प्रभावित किया है और मैं इसके बारे में बहुत भावुक हूं। अपने बेटे की शादी पर नीता अंबानी ने कहा, जब राधिका के साथ मेरे सबसे छोटे बेटे अनंत की शादी की बात आई, तो मेरी इच्छा थी कि जड़ों से जुड़कर आयोजन किया जाए।

परिवार के लिए जामनगर गुजरात के महत्व को देखते हुए यहां आयोजन किया गया। गुजरात अंबानी परिवार के लिए एक विशेष स्थान रखता है, क्योंकि यह वह जगह है जहां मुकेश और उनके पिता ने रिफाइनरी की स्थापना की थी। नीता ने भी एक शुष्क क्षेत्र को एक जीवंत समुदाय में बदलकर यहां अपना करियर शुरू किया था।

प्री-वेडिंग समारोह के लिए जामनगर हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से 10 दिनों की अवधि के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में नामित किया गया है। इस फैसले का उद्देश्य अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के तीन दिवसीय विवाह पूर्व उत्सव के लिए बिल गेट्स, मार्क जुकरबर्ग, रिहाना, इवांका ट्रम्प और कई पूर्व प्रधानमंत्रियों सहित वैश्विक अतिथियों को आगमन की सुविधा प्रदान करना है। 1 मार्च से शुरू हुए इस कार्यक्रम में दुनिया भर के कई हाई-प्रोफाइल मेहमान शामिल हो रहे हैं।

गूगल भ्रामक खबरों पर लगाएगी रोक

मुंबई । दिग्गज कंपनी गूगल ने शक्ति, इंडिया इलेक्शन फैक्ट-चेकिंग कलेक्टिव नाम से एक नई व्यवस्था शुरू की है। 2024 के आम चुनाव से ठीक पहले शुरू हुई इस पहल का मकसद ऑनलाइन माध्यम से डीपफेक सहित भ्रामक जानकारियों एवं सामग्री का प्रसार रोकना है। शक्ति, इंडिया इलेक्शन फैक्ट-चेकिंग कलेक्टिव देश में समाचार प्रकाशकों एवं तथ्यों की जांच करने वाली इकाइयों का समूह है। डेटालीड्स मिसइन्फॉर्मेशन कॉम्बैट अलायंस पूरे भारत में शुरू की गई इस पहल की अगुआई तथ्यों की जांच करने वाले अन्य समूहों की मदद से करेगा। इस पहल को गूगल न्यूज इनिशिएटिव (जीएनआई) का भी समर्थन प्राप्त होगा। इस नई व्यवस्था पर गूगल ने कहा कि भारत में आम चुनाव समाप्त होने तक यह पहल स्वतंत्र फैक्ट चेकर एवं भारतीय भाषाओं में सामग्री प्रकाशित करने वाले लोगों एवं समूहों को एक दूसरे से जोड़ेगी। इससे उन्हें चुनाव से जुड़े तथ्यों की जांच और सही जानकारी साझा करने के लिए एक मंच मिल जाएगा। इससे डीपफेक, भ्रामक खबरों की जांच और इन पर अंकुश लगाने में समय बचाने में मदद मिलेगी।

वेलिंगटन टेस्ट में मजबूत स्थिति में ऑस्ट्रेलिया की टीम

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीम के बीच वेलिंगटन के मैदान पर पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस पहले टेस्ट मैच का तीन दिनों का खेल समाप्त हो गया है और ऑस्ट्रेलिया की टीम इस टेस्ट मैच में मजबूती से जीत की और बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड की टीम के सामने जीत के लिए 369 रनों का लक्ष्य रखा है। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए 111 रनों पर 3 विकेट को दिए हैं। वेलिंगटन टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और ऑस्ट्रेलिया 164 रनों पर ऑल आउट हो गई। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम के पास पहली पारी की काफी बड़ी बढ़ती थी इस वजह से ऑस्ट्रेलिया ने एक बड़ा लक्ष्य न्यूजीलैंड की टीम के सामने रखा है। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम के पूर्व कप्तान एक विलियमसन भी दूसरी पारी में 9 रन बनाकर आउट हो गए हैं।

गंभीर ने भाजपा अध्यक्ष से उन्हें राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने का किया अनुरोध

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद गौतम गंभीर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा से उन्हें अपने राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने के लिए कहा है, ताकि वह क्रिकेट की दुनिया में अपनी भविष्य की प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें। गंभीर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लोगों की सेवा करने की अनुमति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने शनिवार को एक्स पर लिखा कि मैंने माननीय पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा जी से मुझे अपने राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करने का अनुरोध किया है ताकि मैं अपनी आगामी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। मैं माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय गृह मंत्री अमित शाह को ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे लोगों की सेवा करने का अवसर दिया। जय हिंद! गंभीर 2019 से पूर्वी दिल्ली से भाजपा के लोकसभा सांसद हैं। विशेष रूप से, गंभीर आने वाले महीनों में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण व्यस्त रहेंगे, जहां वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर के रूप में काम कर रहे हैं, एक टीम जिसके कप्तान के रूप में उन्होंने दो आईपीएल खिताब जीते हैं। गंभीर उस भारतीय टीम के भी हिस्सा रहे हैं, जिसने आईसीसी टी-20 विश्व कप 2007 और आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2011 का खिताब जीता था।

पुनेरी पलटन ने जीता पीकेएल 10 का खिताब

हैदराबाद (हि.स.)। शक्तिशाली पुनेरी पलटन ने युवा और मजबूत हरियाणा स्टीलर्स को हराकर अपनी पहली प्रो कबड्डी लीग ट्रॉफी जीती, और लीग के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। शुक्रवार रात हैदराबाद के जीएमसी बालयोगी स्टेडियम में पलटन ने एक रोमांचक मुकाबले में स्टीलर्स को 28-25 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। पुनेरी पलटन की रक्षापंक्ति ने हरियाणा स्टीलर्स के रेडर शिवम पटारे और विनय को पकड़ कर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। हालाँकि, गोयत को फाइनल में स्टीलर्स को स्कोरबोर्ड पर लाने के लिए अंकित द्वारा टैकल किया गया था। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा क्योंकि राहुल सेठपाल ने अपने बचाव के साथ संघर्ष को दिलचस्प बनाए रखने का नेतृत्व किया। पीकेएल 10 का अंतिम मैच पहले हाफ में एक करीबी मुकाबला था क्योंकि हरियाणा स्टीलर्स के पास पुनेरी पलटन के सभी रेड का जवाब था। हालाँकि, पंकज मोहिते के जादू के एक क्षण ने उन्हें चार अंकों का सुपर रेड पूरा करने में मदद की, जिससे पलटन ने निर्णायक बढ़त ले ली। स्टीलर्स के लिए अंतिम सेकंड में आशीष की सफल रेड का मतलब था कि सीजन 10 के अंतिम 20 मिनट में स्कोर 10-13 हो गया। फाइनल में एकमात्र ऑल आउट मोहित गोयत की रेडिंग से हुआ, जिससे पुनेरी पलटन को दूसरे हाफ की शुरुआत में पर्याप्त बढ़त मिल गई। हालांकि इससे युवा हरियाणा स्टीलर्स के उत्साह में कोई कमी नहीं आई, क्योंकि इसके बाद हरियाणा के रेडर्स आगे आए और अपनी टीम को पुनेरी पलटन के करीब लाने के लिए जितना संभव हो सके उतने बोनस अंक हासिल किए। ग्रैंड फिनाले में पंकज मोहिते पुनेरी पलटन के लिए गेम-चेंजर साबित हुए, उन्होंने हरियाणा स्टीलर्स के लचीलेपन ने प्रशंसकों को उनकी सीटों पर बनाए रखने के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। सिद्धार्थ देसाई ने अपनी टीम को उम्मीद जगाने के लिए पुनेरी पलटन के कप्तान असलम इनामदार और स्टार ऑलराउंडर मोहम्मदरेजा शादलौई को आउट किया, लेकिन पुनेरी पलटन ने अपने फॉर्म के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली पीकेएल ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया और सीजन 10 में सर्वश्रेष्ठ टीम होने की अपनी योग्यता साबित की। सीजन 10 के सर्वश्रेष्ठ रेडर का पुरस्कार आशु मलिक ने जीता, वहीं सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का पुरस्कार मोहम्मदरेजा शादलौई को गया, जबकि टूर्नामेंट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी असलम इनामदार चुने गए।

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप

क्रिश्चियन कोलमैन ने जीता 60 मीटर रेस का खिताब

ग्लास्गो (हि.स.)। अमेरिकी धावक क्रिश्चियन कोलमैन ने कल यहां विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में 6.41 सेकेंड के रिकॉर्ड समय के साथ पुरुषों की 60 मीटर रेस का खिताब जीता। 27 वर्षीय कोलमैन छह साल से 6.34 सेकेंड का विश्व रिकॉर्ड बनाए हुए हैं। पिछले अगस्त में बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण जीतकर धूम मचाने वाले कोलमैन के साथी नूह लायल्स शुक्रवार को आसानी से फाइनल में पहुंच गए। हालाँकि, वे अनुभवी कोलमैन की बराबरी नहीं कर सके और 0.03-सेकेंड के अंतर से दूसरे स्थान पर रहे। 22 वर्षीय जमैका के एकीम ब्लेक 6.46 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए अनकैप्ड गजनफर, खारोटे अफगानी टीम में शामिल

नई दिल्ली (हि.स.)। मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह मोहम्मद गजनफर और बाएं हाथ के स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर नांगेयालिया खारोटे को शारजाह में आयरलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान की सीनियर टीम में शामिल किया गया है। खारोटे और गजनफर दोनों अंडर-19 विश्व कप में अफगानिस्तान के लिए खेले थे। सीनियर स्पिनर राशिद खान (पीठ की सर्जरी) और मुजीब उर रहमान (दाहिनी ओर की मोच) चोटों से उबर रहे हैं। एसीबी के मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि राशिद खान और मुजीब उर रहमान अपनी-अपनी चोटों से उबर रहे हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

हालांकि, हमने नांगेयालिया खारोटे और बिलाल सामी जैसे कुछ शीर्ष प्रदर्शन करने वाले युवाओं को शामिल किया है। अल्लाह मोहम्मद गजनफर एक बहुत ही प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं और उन्होंने अंडर-19 विश्व कप के दौरान उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया है। वह आयरलैंड के खिलाफ वनडे में सीरीज में मुजीब उर रहमान को कवर प्रदान करेंगे। तेज गेंदबाज बिलाल सामी, जो श्रीलंका के खिलाफ अफगानिस्तान की हालिया एकदिवसीय श्रृंखला के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में से थे, को मुख्य टीम में पदोन्नत किया गया है। सामी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भी अनकैप्ड हैं। कुल मिलाकर, उन्होंने अब तक 10 लिस्ट ए गेम खेले हैं, जिसमें 21.60 की औसत और 6.21 की इकॉनमी रेट से 23 विकेट लिए हैं। **अफगानिस्तान की टीम इस प्रकार है :** हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाइब, नांगेयालिया खारोटे, अल्लाह मोहम्मद गजनफर, नूर अहमद, बिलाल सामी, फजल हक फारूकी, नवीद जादरान और फरीद अहमद मलिक। **रिजर्व :** जिया उर रहमान, शाहिदुल्लाह कमाल, कैस अहमद।

घाना के उपराष्ट्रपति ने 13वें अफ्रीकी खेलों के मुख्य आयोजन स्थल का किया उद्घाटन

अकारा (हि.स.)। घाना के उपराष्ट्रपति महामुदु बावुमिया ने शुक्रवार को इस महीने घाना में होने वाले 13वें अफ्रीकी खेलों के मुख्य स्थल का उद्घाटन किया। 11,000 सीटों की क्षमता के साथ, विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स स्टेडियम में सभी ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं के लिए सुविधाएं हैं। स्टेडियम खेलों के उद्घाटन और समापन समारोह की भी मेजबानी करेगा। बावुमिया ने सिन्हुआ के हवाले से कहा कि जब घाना को खेलों की मेजबानी के लिए हरी झंडी मिली, तो उसके पास अपर्याप्त बुनियादी ढांचा था, जिसने देश पर अपने पहले अफ्रीकी खेलों की मेजबानी के सपने को संभव बनाने के लिए और अधिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की भारी जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि देश को आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और केवल एक सप्ताह दूर खेलों की मेजबानी के लिए तैयार होने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता है। बावुमिया ने कहा कि घाना विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स स्टेडियम को चालू करना घाना का एक और बड़ा कदम है, जो कुछ ही दिनों में अफ्रीकी खेलों की मेजबानी के लिए हमारी तैयारी को दर्शाता है। 13वें अफ्रीकी खेल अगले शुक्रवार को घाना की राजधानी अकारा में शुरू होंगे, जिसमें तटीय शहर केप कोस्ट कुछ कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा।

कर्नाटक सरकार ने लॉन्च किया भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय स्टैंड अप-पैडलिंग इवेंट

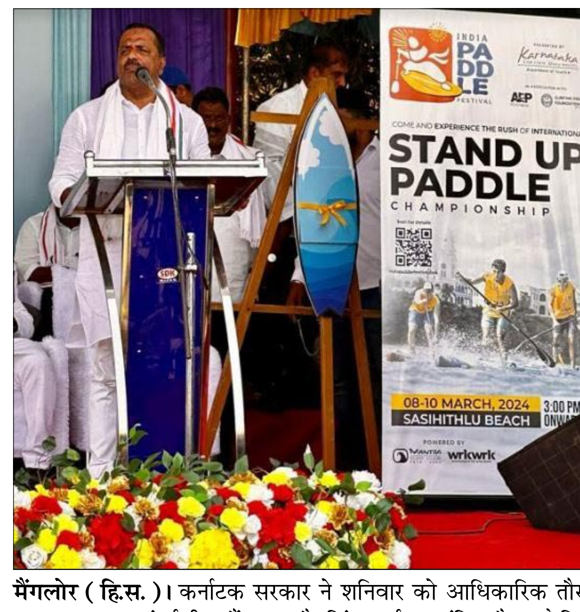

मैंगलोर (हि.स.)। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय स्टैंड-अप पैडलिंग कार्यक्रम, इंडिया पैडल फेस्टिवल लॉन्च किया। इसके अलावा, इंडिया पैडल फेस्टिवल लोगो का भी अनावरण किया गया। कर्नाटक सरकार द्वारा प्रस्तुत और सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एसयूपी चैंपियनशिप, 2024 का आयोजन 8 से 10 मार्च तक मैंगलोर के ससिहिथलू बीच पर किया जाएगा। इस अवसर पर कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर ने कहा कि हमें अपने समुद्र तट, संस्कृति और व्यंजनों की सुंदरता को उजागर करने के लिए दक्षिण कन्नड में इस तरह के और अधिक आयोजनों की आवश्यकता है। हम मंगलुरु में उद्घाटन भारत पैडल महोत्सव की मेजबानी करने के लिए उत्साहित हैं। इस अवसर पर सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन के अध्यक्ष, धनंजय शेट्टी ने कहा कि सर्फिंग समुदाय की ओर से, मैं देश के पहले अंतर्राष्ट्रीय स्टैंड-अप पैडलिंग कार्यक्रम मेजबानी को लेकर उत्सुक हूं और हमारा समर्थन करने के लिए कर्नाटक सरकार के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं। इतने बड़े पैमाने पर इस कार्यक्रम की मेजबानी करने में हमें गर्व और अत्यधिक खुशी हो रही है, और हम इस आयोजन को एक बड़ी सफलता बनाने में कोई कसर नहीं

पीआर श्रीजेश ने डेविड ली से की वर्चुअल मुलाकात पेरिस ओलंपिक के दबाव से निपटने को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली (हि.स.)। आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए प्रत्याशा और उत्साह बढ़ने के साथ, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने ए23 द्वारा संचालित रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग के तीसरे सीजन के दौरान शुक्रवार को बेंगलुरु टॉरपीडो के मुख्य कोच डेविड ली के साथ वर्चुअल मुलाकात की। इस दौरान श्रीजेश ने ओलंपिक वर्ष के दबावों का सामना करने को लेकर ली के साथ चर्चा की। लीग द्वारा शुक्रवार को सोशल मीडिया पर इन दोनों के वर्चुअली बातचीत का एक वीडियो जारी किया किया गया। श्रीजेश, जिन्हें यकीनन दुनिया का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर माना जाता है, अब तक तीन बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, और टोक्यो ओलंपिक 2020 में देश को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ली, जिन्हें आधुनिक वॉलीबॉल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माना जाता है, ने ओलंपिक में तीन बार यूएसए का प्रतिनिधित्व किया और अपनी टीम को स्वर्ण पदक और कांस्य पदक दिलाया। इस बात पर चर्चा करते हुए कि एथलीट कम उम्र में प्रतियोगिताओं के दौरान मानसिक शक्ति कैसे विकसित कर सकते हैं, श्रीजेश ने एक युवा गोलकीपर के रूप में अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की। श्रीजेश ने कहा कि गोलकीपिंग एक मानसिक खेल है। एक खिलाड़ी होने के नाते, हम समझते हैं कि हमें मैच में कैसे शामिल होना है। लेकिन एक गोलकीपर होने के नाते, मैं बस पीछे खड़ा हूं और मेरा खेल मेरे दिमाग में है। उन्होंने कहा कि एक युवा खिलाड़ी के रूप में, मेरी नकारात्मक भावनाएं मेरी सकारात्मक भावनाओं पर हावी हो जाती थीं और इसके कारण मुझे गोल खाने पड़ते थे। अब, मेरे अनुभव के साथ, मेरे लिए चीजें बदल गई हैं और मैं सकारात्मक विचारों को हावी होने देता हूं। ली ने बताया कि कैसे सही कोचिंग तरीके और मॉड्यूल युवा एथलीटों को बढ़ने और बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम सकारात्मक माहौल में पले-बढ़े हैं। हमारे पास ऐसे कोच नहीं थे जो हमें बताएं कि हम खेल में उतने अच्छे नहीं हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें आगे बढ़ना होगा और अनुकूलन करने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि आप नकारात्मक माहौल से अल्पकालिक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे तरीके लंबे समय तक टिकाऊ हैं। दबाव से निपटने में एक विशेषज्ञ के रूप में, ली ने आगे सलाह दी कि युवाओं को ओलंपिक से पहले सोशल मीडिया पर नकारात्मक टिप्पणियों से दूर रहना चाहिए और आयोजन के बड़े पैमाने के बावजूद, टूर्नामेंट को अपने खेल करियर में सिर्फ एक और दिन के रूप में लेने की कोशिश करनी चाहिए। श्रीजेश, जो एक दशक से अधिक समय से भारत के लिए गोलकीपर की भूमिका में हैं, ने आगे बताया कि गोलकीपर की भूमिका के साथ आने वाली आलोचना से वह कैसे निपटते हैं। उन्होंने कहा कि अगर मैंने 10 बचाव किए और एक गोल खाया, तो हर कोई उस एक गलती को याद रखेगा। लेकिन मैंने इसे स्वीकार कर लिया है और मैं इसके साथ आगे बढ़ गया हूं।

विश्व मुक्केबाजी ओलंपिक क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में नौ सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे शिव थापा

नई दिल्ली (हि.स.)। पेरिस ओलंपिक के लिए पहला विश्व मुक्केबाजी क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट रविवार को इटली के बस्टो अर्सिजियो में शुरू होने वाला है, जिसमें दो बार के ओलंपियन शिव थापा के नेतृत्व में भारत का नौ सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। ओलंपिक्स डॉट कॉम के मुताबिक, शिवा 63.5 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक देश ओलंपिक के लिए प्रति भार वर्ग में अधिकतम एक कोटा सुरक्षित कर सकता है। भारत, जिसने पिछले साल हांगझू में एशियाई खेलों में चार कोटा हासिल किए थे, इटली में नौ और कोटा हासिल कर सकता है। देश मुक्केबाजों को केवल उस भार वर्ग का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेज सकते हैं जिसमें उन्होंने अभी तक कोटा हासिल नहीं किया है। थापा के साथ, टीम में सात पुरुष और दो महिलाएं हैं, जिनमें 2023 एशियाई खेलों के कांस्य

पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन, दीपक भोरिया और निशांत देव शामिल हैं। मौजूदा राष्ट्रीय स्तर के चैंपियन लक्ष्य चाहर और संजीत कुमार को भी टीम में जगह मिली है। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लेम्बोरिया और युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो महिलाओं की प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। पिछले साल एशियाई खेलों में महिला मुक्केबाज निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), परवीन हुडा (57 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने कोटा हासिल किया था।

आईवीपीएल : सेमीफाइनल मुकाबले तय, दिल्ली का सामना मुंबई से, यूपी के सामने होगी छत्तीसगढ़

ग्रेटर नोएडा (हि.स.)। इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के उद्घाटन संस्करण में रेड कार्पेट दिल्ली, वीवीआईपी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ वॉरियर्स और मुंबई चैंपियंस ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पहले सेमीफाइनल में दिल्ली का सामना मुंबई से और दूसरे सेमीफाइनल में वीवीआईपी उत्तर प्रदेश का सामना छत्तीसगढ़ वॉरियर्स से होगा। दोनों सेमीफाइनल मुकाबले आज ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मुकाबला रविवार को इसी स्थान पर खेला जाएगा। इससे पहले शुक्रवार रात लीग के 15वें और आखिरी मैच में रेड कार्पेट दिल्ली ने तेलंगाना टाइगर्स को 5 विकेट से हराया। दिल्ली के लिए इस जीत के हीरो रहे रिचर्ड लेवी जिन्होंने 27 गेंदों पर 72 रन की धुआंधार पारी खेली।

उभरती महिला क्रिकेटरों ने स्पेशल सेशन में अदाणी गुजरात जायंट्स टीम के साथ किया ट्रेनिंग

बेंगलुरु (हि.स.)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टीम गुजरात जायंट्स ने अहमदाबाद में अदाणी स्पोर्ट्सलाइन की अकादमी के महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के साथ प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया। लड़कियों ने अपने ट्रेनिंग सेशन के दौरान विश्व क्रिकेट के सबसे बड़े नामों के साथ समय बिताया और ढेर सारी प्रेरणा और खेल संबंधी ज्ञान लिया। इन युवाओं में शामिल उभरती हुई गेंदबाज रिया ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा कि इतने बड़े क्रिकेटरों के साथ नेट साझा करना बहुत अच्छा लगता है। मैं अपने कोचों के साथ-साथ अदाणी स्पोर्ट्सलाइन की भी आभारी हूं। हमें यह देखने को मिला कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर बड़े मैचों के लिए कैसे अभ्यास करते हैं। रिया ने अपनी आइडल स्नेह राणा से सीखने का मौका उठाया। टीम की उप-कप्तान को लेकर उन्होंने कहा कि एक गेंदबाज के रूप में, मैंने देखा और सीखा कि टीम ने बल्लेबाजों को आउट करने की लिए कैसी रणनीति बनायी। ली ताहुहू एक ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्हें मैंने करीब से देखा है लेकिन जिस खिलाड़ी को मैं अपना आदर्श मानती हूं वह स्नेह हैं। वह कठिन परिस्थितियों में भी शांत रहती हैं, जो बहुत महत्वपूर्ण है। सेशन में भाग लेने वाली एक अन्य गेंदबाज परी थीं, जो हरलीन देयोल और एशले गार्डनर को देखकर उत्साहित थी। उन्होंने कहा कि एशले सही लाइन और लेंथ ढूंढ सकती है और एक उभरते स्पिनर के रूप में, यह एक चीज थी जो मैंने उन्हें नेट्स में देखने के बाद सीखी। मैं हरलीन की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। जिस तरह से वह बल्लेबाजी करती है वह मुझे पसंद है। उन्होंने मुझे बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। हरफनमौला खिलाड़ी और मेघना सिंह की प्रशंसक मनन्या ने कहा कि अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने हमें खिलाड़ियों को देखने और उनके साथ बातचीत करने का मौका दिया। मैंने मेघना को करीब से गेंदबाजी करते हुए देखा। मैंने सीखा कि उन्होंने कैसे अपनी गति तेज की और अपनी लाइन और लेंथ पर काम किया। रन-अप के दौरान सही गति प्राप्त करना कठिन हो सकता है लेकिन उसने इसे बहुत अच्छे से किया। टीम मेंटर मिताली राज ने कहा कि जमीनी स्तर पर महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अदाणी स्पोर्ट्सलाइन का समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। अहमदाबाद की उत्साही लड़कियों से मिलना सुखद था। उनका जुनून और जिज्ञासु दिमाग खेल के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है। मुझे उम्मीद है कि वे न केवल बेहतर एथलीट बल्कि बेहतर इंसान बनने के लिए मूल्यवान सबक सीखेंगी। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के सीबीओ संजय अडेसरा ने कहा कि डब्ल्यूपीएल सीजन 1 के बाद से, युवा लड़कियों में क्रिकेट को अपनाने के लिए उत्साह बढ़ा है, और अदाणी स्पोर्ट्सलाइन अकादमियों में पंजीकरण में वृद्धि देखी गई है। यह प्रतिक्रिया उत्साहजनक है और हमें उम्मीद है कि यह जारी रहेगा।

जब एश्वर्या को फिल्म में किसींग सीन करना पड़ गया था भारी

ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड की सबसे प्रभावशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री को लाखों लोग पसंद करते हैं और कई बार उन्हें एक अभिनेत्री होने की कीमत भी चुकानी पड़ती है। अपनी फिल्मों में इंटीमेट और किसिंग सीन कम ही करने वाली ऐश्वर्या ने एक बार स्क्रीन पर किसिंग सीन करने पर कानूनी नोटिस मिलने की बात कही थी। पोन्नियिन सेलवन अभिनेत्री का यह पुराना वीडियो इंटरनेट पर फिर से सामने आ रहा है, जहां ऐश्वर्या एक साक्षात्कारकर्ता के साथ खुलकर बात करती हैं और बताती हैं कि कैसे उन्हें स्क्रीन पर बोल्ड होने का खामियाजा भुगतना पड़ा है।

ऐश्वर्या ने कहा कि वास्तव में मुझे काउंटी के कुछ लोगों से कानूनी नोटिस मिला और कहा गया कि आप प्रतिष्ठित हैं। आप हमारी लड़कियों के लिए एक उदाहरण हैं, आपने अपना जीवन इतने अनुकरणीय तरीके से जीया है, तो आपने ऐसा क्यों किया? और मैं कह रही थी, वाह, मैं सिर्फ एक अभिनेता हूं, अपना काम कर रही हूं, और यहां मुझसे तीन घंटे की फिल्म में दो से तीन सेकंड के कुछ दृश्यों के लिए स्पष्टीकरण देने के लिए कहा जा रहा है। इस सीन से पहले भी कई एक्टर्स ने किस किया है और आज तक करते आ रहे हैं।

ऐश्वर्या ने आगे कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में स्नेह का सार्वजनिक प्रदर्शन अभी भी आम बात नहीं है। आज भी अभिनेता अपने किसिंग सीन को लेकर बहुत सहज नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो काम पश्चिमी सिनेमा में किया जाता है, वही काम भारतीय सिनेमा में किया जाता है और इसी तरह प्रशंसक उनसे जुड़ते हैं। अपनी शादी और आराध्या के बाद, ऐश्वर्या ने साबित कर दिया कि वह अभी भी अच्छे रिश्ते चुन सकती हैं और ऐ दिल है मुश्किल इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐश्वर्या राय बच्चन को आखिरी बार मणिरत्नम की पोन्नियिन सेलवन भाग 2 में देखा गया था, जहां उन्होंने फिल्म में एक शाही रानी की भूमिका निभाई थी और चियान विक्रम के जोड़ी बनाई थी।

रामनवमी पर अनाउंस होगी रणबीर स्टारर फिल्म रामायण

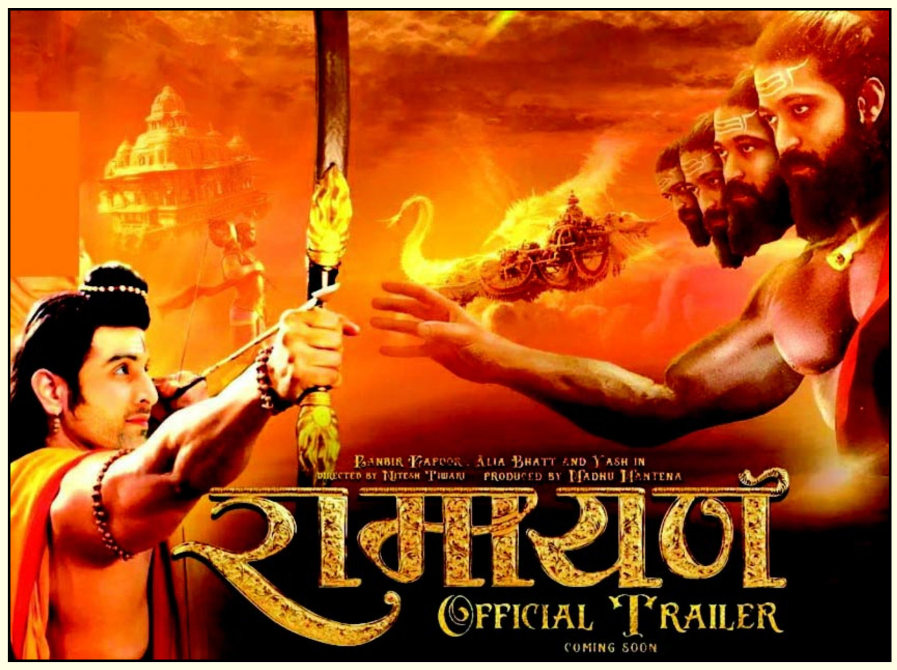

पिछले कई महीनों से रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म रामायण की चर्चा चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। प्रभास की आदिपुरुष के बाद अब रणबीर-साई की फिल्म रामायण से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। इसी तरह हाल ही में आई खबरों के मुताबिक रामनवमी के दिन नितेश तिवारी फिल्म रामायण का ग्रैंड अनाउंसमेंट करने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक साई पल्लवी-रणबीर कपूर की रामायण फिल्म की घोषणा अगले महीने अप्रैल में की जाएगी। रामनवमी के खास मौके पर नितेश तिवारी फिल्म रामायण का ग्रैंड अनाउंसमेंट करेंगे। रामायण फिल्म की आधिकारिक घोषणा 17 अप्रैल को की जाएगी। चूंकि यह एक अखिल भारतीय परियोजना है, इसलिए रामायण की घोषणा पूरे भारत में भव्य तरीके से की जाएगी। बात करें रामायण फिल्म की कास्टिंग की तो.. रामायण फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्री राम की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। केजीएफ स्टार यश रावण की भूमिका निभाएंगे। सनी देओल हनुमान और बॉबी देओल कुंभकर्ण की भूमिका निभाएंगे। अभिनेत्री लारा दत्ता कैकेयी की भूमिका निभाएंगी और संभावना है कि अमिताभ बच्चन दशरथ की भूमिका निभाएंगे।

बॉलीवुड में रंगभेद पर खुलकर बोले अभिनेता दिव्येंदु भट्टाचार्य

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट द्वारा निर्मित हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज पोचर में दिव्येंदु भट्टाचार्य ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कई हिंदी और बंगाली फिल्मों में छोटी लेकिन महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में रंगभेद पर टिप्पणी की है। दिव्येंदु ने खुलासा किया कि जो लोग दिखने में ज्यादा गोरे नहीं होते, जिनका रंग सांवला और थोड़ा गहरा होता है, उन्हें इंडस्ट्री में अच्छे रोल नहीं मिलते।

दिव्येंदु भट्टाचार्य ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बारे में बयान दिया। उन्होंने कहा कि मेरे पास जो भी काम आता है, मैं करता हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 500 करोड़ की फिल्म में नजर आऊंगा। दरअसल मुझे इतने बड़े बजट की फिल्मों के ऑफर भी नहीं मिलते, लेकिन जो काम मुझे मिलता है मैं उसे बहुत सावधानी और ईमानदारी से करता हूं।

इसके साथ ही दिव्येंदु ने इंडस्ट्री में रंगभेद पर भी टिप्पणी की।

गिलोय के इस्तेमाल से चेहरे पर आएगा गजब का निखार

गिलोय को एक आयुर्वेदिक औषधि है। कई सालों से बुखार, डेंगू, चिकनगुनिया, वायरल फीवर, कफ और कई बीमारियों को ठीक करने के लिए गिलोय का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं गिलोय में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो हमारे शरीर को बीमारियों से बचाने का काम करते हैं। आमतौर पर गिलोय का जूस, गिलोय की गोली और गिलोय के चूर्ण का सेवन करते हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। गिलोय के तने और पत्तों में खास तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो स्किन संबंधी समस्या को दूर करने में सहायक होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि गिलोय को किस तरह से फेस पर लगाया जाता है, जिससे त्वचा संबंधी सारी समस्या दूर हो जाएगी। फेस को साफ करने और मेकअप को रिमूव करने के लिए अक्सर महिलाएं क्लींजर का इस्तेमाल करती हैं। मार्केट में मिलने वाले क्लींजर में कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं। जिसके कारण स्किन के खराब होने का डर भी बना रहता है। इसलिए मार्केट में मिलने वाले क्लींजर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसे में आप गिलोय का क्लींजर घर पर तैयार कर सकते हैं। गिलोय का क्लींजर बनाने के लिए 3-4 पत्तों को पीस लें। गिलोय के 3-4 पत्तों में 1 आंवले का टुकड़ा डालकर ग्राइंड के फॉर्म में निकाल लें। इसको स्प्रे बोतल में गिलोय और आंवले का जूस डालकर स्टोर करें। अब आप अपने अनुसार गिलोय के क्लींजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। **फेस स्क्रब** : फेस पर स्क्रब की तरह गिलोय के पत्तों और तनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। गिलोय का फेस स्क्रब बनाने के लिए 2 से 3 पत्ते लें। इन पत्तों के साथ छोटा सा तना लेकर मिक्सर ग्राइंडर में दरदरा पीस लें। फिर इसमें शहद और गुलाब जल मिक्स कर लें। अब आप इसका फेस स्क्रब की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इसको फेस पर अप्लाई करने से पहले पानी और फेस वॉश से चेहरा धो लें। इसके बाद गिलोय का स्क्रब लगाकर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। फिर हल्के गुनगुने पानी से फेस धो लें। इस स्क्रब को लगाने के बाद ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से छुटकारा मिलता है। **फेस पैक** : स्क्रब के बाद फेस पैक का इस्तेमाल किया जाता है। जिससे कि स्किन के ओपन पोर्स को बंद किया जा सके। ऐसे में आप फेस पर गिलोय का फेस पैक ट्राई कर सकते हैं। गिलोय का फेस पैक बनाने के लिए छोटे बाउल में 1 चम्मच गिलोय पाउडर लेकर उसमें 2 चम्मच कच्चा दूध और 1 चुटकी हल्दी डालकर मिक्स करें।

बच्चे को सिखाना चाहते हैं फर्राटेदार अंग्रेजी, तो इन टिप्स से डेवलप करें

फर्राटेदार इंग्लिश बोलते हुए बच्चे सच में कितने अच्छे और स्मार्ट दिखते हैं। वैसे तो इंग्लिश भले ही इंडियन लैंग्वेज नहीं है, फिर भी पूरे विश्व के 67 देशों में बोली जाने वाली भाषा है। इसके अलावा भी विश्व के अधिकांश देशों में भी अंग्रेजी का ही बोलबाला है। ऐसे में अपने बच्चों को इंग्लिश लैंग्वेज के लिए तैयार करना हमारी जिम्मेदारी है, जो कि उन्हें एक बेहतर भविष्य देगा। बहुत सारे पेरेंट्स ऐसे भी हैं जिन्हे इंग्लिश नहीं आती और वे अपने बच्चों को इंग्लिश लैंग्वेज सिखाने के लिए अनेक तरह के इंस्टिट्यूट में भेजते भी हैं।

ऐसे में अगर आपको इंग्लिश लैंग्वेज आती है और आप अपने बच्चों का एजुकेशन और पर्सनेलिटी डेवलपमेंट बहुत अच्छा करना चाहते हैं, तो इसके लिए नीचे दिए कुछ टिप्स अपना सकते हैं।

बच्चों में इंग्लिश लैंग्वेज स्किल डेवलपमेंट का सबसे बढ़िया समय उनका शुरुआती बोलचाल का होता है। ऐसे समय से ही अगर उनमें इसकी शुरुआत कर दी जाएगी तो उन्हें पता भी नहीं चलेगा और वे बिना किसी मुश्किल के आसानी से इंग्लिश लैंग्वेज सीख जाएंगे।

बच्चों को इसके लिए मोटिवेट करे : बच्चों को इंग्लिश बोलने के लिए हमेशा इसके फायदे को समझाएं और मोटिवेट करें। घर में अगर दो बच्चे हैं, तो उन्हें आपस में इंग्लिश में ही बोलने को कहें और खुद भी उनसे इसी लैंग्वेज में बात करें।

स्टोरी बुक,पेपर इंग्लिश में पढ़ने को दें : बच्चों के मनोरंजन के लिए जो भी स्टोरी बुक या मैग्जीन खरीदते हैं, उन्हें इंग्लिश में ही दें। इसमें जो चीजें उन्हें न समझ आए, उन्हें आप समझाएं। रुचि बढ़ने पर बच्चा इसे मन लगाकर पढ़ेगा भी और इंग्लिश बोलना भी सीख जाएगा।

बच्चों के शोज इंग्लिश में ही देखें : बच्चों की मूवी, कार्टून और यहां तक कि न्यूज भी इंग्लिश में ही दिखाएं। ऐसा देखने से वह इंग्लिश बोलना भी सीखेंगे और इसे समझ भी पाएंगे।

गाने भी इंग्लिश सुने : बच्चों को कविता हो या गाने इंग्लिश में ही सुनाए और दिखाएं। इससे उनकी रुचि भी बढ़ेगी और वे इसे दोहराते हुए प्रैक्टिस भी कर पाएंगे, जिससे उन्हें इसे सीखने में मदद मिलती है।

অসম চৰকাৰ

অসম চৰকাৰৰ পশুপালন আৰু পশু চিকিৎসা বিভাগৰ
ৰাষ্ট্ৰীয় পশুধন অভিযান(NLM), অসমৰ জৰিয়তে ৰূপায়িত এখন অভিলাষী আঁচনি হ'ল -

উদ্যমিতা বিকাশ আঁচনি

(ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT PROGRAMME)

এই আঁচনিৰ জৰিয়তে আপোনালোকে গ্ৰহণ কৰিব পাৰে ৫০ শতাংশ ৰাজসাহায্যযুক্ত ঋণৰ সুবিধা

আঁচনিৰ বৈশিষ্ট্য

ছাগলী/ভেৰা পামৰ আকাৰ	সৰ্বোচ্চ ৰাজসাহায্যৰ পৰিমাণ
১০০জনী মাইকী + ৫টা মতা	১০ লাখ টকা
২০০জনী মাইকী + ১০টা মতা	২০ লাখ টকা
৩০০জনী মাইকী + ১৫টা মতা	৩০ লাখ টকা
৪০০জনী মাইকী + ২০টা মতা	৪০ লাখ টকা
৫০০জনী মাইকী + ২৫টা মতা	৫০ লাখ টকা

গাহৰি পামৰ আকাৰ	সৰ্বোচ্চ ৰাজসাহায্যৰ পৰিমাণ
৫০জনী মাইকী+ ৫টা মতা	১৫ লাখ টকা
১০০জনী মাইকী + ১০টা মতা	৩০ লাখ টকা

ইয়াৰ উপৰিও ১০০০ কুকুৰাৰ পাম স্থাপন কৰিব বিচৰা আৰু চাইলেজ প্ৰস্তুত গোট, FODDER BLOCK প্ৰস্তুত গোট অথবা সম্পূৰ্ণ মিশ্ৰিত দানা প্ৰস্তুতকৰণ গোট (TMR PLANT) স্থাপন কৰিব বিচৰা উদ্যমী ব্যক্তিয়েও এই ৰাজসাহায্যযুক্ত ঋণৰ সুবিধা গ্ৰহণ কৰিব পাৰে।

* বিতংভাবে জানিবলৈ জিলা পশুপালন আৰু পশু চিকিৎসা বিষয়া বা ওচৰৰ পশু চিকিৎসা বিষয়াৰ লগত যোগাযোগ কৰক

আঁচনিৰ সবিশেষ জানিবলৈ লগ ইন কৰক www.dahd.nic.in ৱেবছাইটত
আবেদনৰ বাবে লগ ইন কৰক www.nlm.udyamimitra.in প'ৰ্টেলত

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত
Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in
অসম বাৰ্তা ছাবস্ক্ৰাইব কৰিবলৈ ৭৬৩৬৮৩৪৯৪৩ ত Assam লিখি ৱাটছএপ কৰক

-- Janasanyog /D/18733/ 23/03 March 2024

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**